मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 308
गुरुवार, 28 मई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

देश की सीमाओं के 15 किलोमीटर के दायरे में सभी अवैध ढांचे होंगे ध्वस्तः अमित शाह

नई दिल्ली, 27 मई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अधिकारियों को देश की सीमाओं के 15 किलोमीटर के दायरे में अवैध निमार्णों के खिलाफ 'जीरो-टॉलरेंस' नीति को सख्ती से लागू करने और पिछले कुछ वर्षों में बने ऐसे सभी ढांचों को ध्वस्त करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने बताया कि गृह मंत्रालय ने जिला मजिस्ट्रेटों को सीमावर्ती क्षेत्रों में सभी बैंकों द्वारा बैंकिंग लेनदेन के कानूनी और वित्तीय अनुपालन को सुनिश्चित करने, बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का सत्यापन करने, उनके वित्तपोषण स्रोतों की जांच करने, फर्जी खातों और फर्जी कंपनियों का पता लगाने, फर्जी आधार कार्डों की पहचान करने और सीमा पार तस्करी को नियंत्रित करने की बढ़ी हुई जिम्मेदारी सौंपी है। शाह ने बीकानेर में आयोजित एक सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए भारत-पाकिस्तान सीमा से लगे राजस्थान के सीमावर्ती जिलों से संबंधित सुरक्षा मुद्दों का आकलन किया। इससे पहले बीकानेर में सीमा चौकी पर बीएसएफ कर्मियों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि पिछली सरकारों ने सीमा सुरक्षा में महिलाओं की भूमिका और उनके लिए आवश्यक सुविधाओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान देने के मामले में महिला कर्मी पुरुषों से दो कदम आगे बढ़ चुकी हैं और 2030 तक सीमा क्षेत्रों में तैनात महिलाओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

शाह ने बताया कि राजस्थान में महिला कर्मियों के लिए 79 बैरक स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 67 का निर्माण लगभग 39 करोड़ रुपये की लागत से पूरा हो चुका है। गृह मंत्री ने सोमवार को 14 बैरक का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा संरक्षित सीमावर्ती क्षेत्रों में महिलाओं की तैनाती की स्थिति सुधारने के लिए लगभग 200 करोड़ रुपये की लागत से 356 बैरक बनाए जाएंगे। शाह ने कहा कि राजस्थान के रेगिस्तान में एक पार्श्व सड़क (लिटरल रोड) का निर्माण शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि 1,096 किलोमीटर लंबी पार्श्व सड़क और 520 किलोमीटर लंबी अक्षीय सड़क (एक्ससीएल) बीएसएफ कर्मियों के लिए बेहतर सुविधाएं और संपर्क प्रदान करेगी।

शाह ने कहा कि नयी डिजाइन की बाड़बंदी पर भी काम चल रहा है और राजस्थान में लगभग 180 सीमा चौकियों तक पाइपलाइन से पेयजल आपूर्ति शुरू कर दी गई है। शाह ने कहा कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों ने वृक्षारोपण अभियानों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के कर्मियों ने लगभग 7.35 करोड़ पेड़ लगाए हैं। शाह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान को देखते हुए वृक्षारोपण लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने खेजड़ी का एक पौधा भी लगाया और इसे रेगिस्तानी क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण वृक्ष बताया।

1000 फीट गहरी खाई में गिरी SUV, फेमस एक्टर समेत 8 दोस्तों की दर्दनाक मौत

रायगढ़/मुंबई, 27 मई। मराठी फिल्म और टीवी जगत से एक बेहद हृदयविदारक खबर सामने आई है, जहां चर्चित अभिनेता महेश पवार की एक भीषण सड़क हादसे में जान चली गई है। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में स्थित अम्बेनाली घाट में एक रवश के अनियंत्रित होकर करीब 1,000 फीट गहरी खाई में गिर जाने से महेश पवार समेत उनके सभी 7 दोस्तों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह हादसा मुंबई से लगभग 180 किलोमीटर दूर पोलादपूर-महाबलेश्वर मार्ग पर हुआ। पीड़ित रविवार दोपहर करीब 2 बजे दापोली के हरने से दोस्तों के साथ ट्रिप के लिए निकले थे। जब वे अपने गंतव्य सतारा नहीं पहुंचे, तो चिंतित परिजनों ने तलाश शुरू की और पुलिस से संपर्क किया। तलाश के दौरान पुलिस को पोलादपूर के पास

गहरी खाई में SUV दिखाई दी, जहां सभी के शव बरामद हुए। अधिकारियों का मानना है कि यह हादसा ड्राइवर के नियंत्रण खो देने की वजह से हुआ है।

25 वर्षीय अभिनेता महेश पवार मराठी इंडस्ट्री का उभरता हुआ चेहरा थे, जिन्हें लोकप्रिय टीवी शो 'अप्पी आमची कलेक्टर' में उनके शानदार अभिनय के लिए जाना जाता था। यह शो अगस्त 2022 में शुरू हुआ था और इसका अंतिम एपिसोड मार्च 2025 में प्रसारित हुआ था। उनकी अचानक मौत से उनके प्रशंसकों और सहयोगियों में शोक की लहर दौड़ गई है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि पहाड़ी इलाके में गाड़ी के खाई में गिरने से 8 लोगों की जान जाना बेहद दुखद है और उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं।

यूपी की जनता अगले चुनाव में बीजेपी को धो-पटक कर सुखा देगी : अखिलेश यादव

लखनऊ, 27 मई। समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर बिजली संकट के बीच निशाना साधते हुए राज्य सरकार की कार्ययोजना पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा में अब कोई दम नहीं बचा है। एक पोस्ट में एसपी प्रमुख ने सवाल उठाया कि क्या उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा को मुख्यमंत्री आदित्यनाथ की समीक्षा बैठकों में आमंत्रित किया गया था, क्योंकि दोनों मंत्री अक्सर साथ नहीं देखे जाते। यादव ने पार्टी में आंतरिक कलह की ओर इशारा करते हुए कहा कि भाजपा के विधायकों-सांसदों ने अपनी ही सरकार के खिलाफ पत्र लिखे हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री पर ऊर्जा संकट को 'दिल्ली की जनता द्वारा भेजे गए

दूत की साजिश' न बताने के लिए भी कटाक्ष किया। बिजली कटौती पर निराशा व्यक्त करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बिजली उप-स्टेशनों पर प्रादेशिक सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी) कर्मियों को तैनात करके जनता के आक्रोश से बचने की कोशिश कर रही है। यादव ने कहा कि अगले चुनाव में जनता भाजपा को अच्छे से धो-पटाकर हमेशा के लिए सुखा देगी। शुक्र है उत्तर प्रदेश के 'असफल मुख्यमंत्री' ने यह नहीं कहा कि इस 'भयानक बिजली संकट' के पीछे दिल्ली से भेजे गए दूत की साजिश है।

उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि क्या बिजली मंत्री मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठकों में शामिल नहीं होते या उन्हें आमंत्रित नहीं किया जाता। यदि वे शामिल होते हैं, तो माननीय महोदय से अनुरोध है कि कंधे पर हाथ रखकर एक तस्वीर पोस्ट करें - जनता को आपके 'आपसी सौहार्द' से कुछ राहत मिल सकती है, क्योंकि जनता ने आप दोनों को कभी साथ नहीं देखा है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा शासन में, बिजली उप-स्टेशनों पर पीएसी तैनात है, और विधायक-सांसद जनता के गुस्से से बचने के लिए कायरतापूर्वक अपनी ही सरकार के खिलाफ पत्र लिखते हैं। भाजपा में अब कोई दम नहीं बचा है।

ईरान पर हमलों खिलाफ अमेरिका में बगावतः सीनेटर बोले- वादे तोड़कर देश को नए अंतहीन युद्ध में झोंक रहे ट्रंप

अमेरिका, 27 मई। अमेरिका में ईरान के खिलाफ जारी सैन्य कार्रवाई को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना तेज हो गई है। अमेरिकी सीनेटर मार्क वार्नर (Mark Warner0 ने ट्रंप पर नया फॉरएवर वॉर यानी अंतहीन युद्ध शुरू करने का आरोप लगाया है। मार्क वॉर्नर, जो अमेरिकी सीनेट की इंटेलिजेंस कमेटी के उपाध्यक्ष भी हैं, ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि ट्रंप लगातार दावा कर रहे हैं कि युद्ध खत्म होने वाला है, लेकिन हकीकत यह है कि अमेरिका अब भी ईरान पर हमले कर रहा है। वॉर्नर ने कहा कि ट्रंप अपने वादे तोड़ रहे हैं, नए अंतहीन युद्ध शुरू कर रहे हैं और आम लोगों के खर्च बढ़ा रहे हैं। यह बयान ऐसे

समय आया है जब पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र में तनाव लगातार बना हुआ है।अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की बातचीत धीमी गति से आगे बढ़ रही है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका में जनता भी लंबे सैन्य अभियान के पक्ष में नहीं दिख रही। एक सर्वे में केवल 39 प्रतिशत लोगों ने कहा कि अमेरिकी सैन्य अभियान तब तक जारी रहना चाहिए जब तक अमेरिका अपने लक्ष्य हासिल न कर ले। वहीं 61 प्रतिशत लोगों ने सीमित समय के भीतर अभियान खत्म करने का समर्थन किया। एक अन्य सर्वे में 52 प्रतिशत लोगों ने कहा कि अगर ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर समझौता नहीं भी हो पाता है, तब भी अमेरिका को सैन्य कार्रवाई बंद कर देनी चाहिए। केवल 37 प्रतिशत लोग ही आगे सैन्य अभियान जारी रखने के पक्ष में दिखे। इस बीच अमेरिकी सेना ने हाल ही में होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास ईरानी मिसाइल लॉन्च साइट्स और बारूदी सुरंग बिछाने की कोशिश कर रही नौकाओं पर हमले किए थे। अमेरिकी सेना ने इन्हें हआत्मरक्षा में की गई कार्रवाईह बताया। इसके जवाब में ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। ईरान का कहना है कि होर्मुज क्षेत्र में हालात बेहद संवेदनशील बने हुए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते के मसौदे में ईरान के परमाणु कार्यक्रम और प्रतिबंधों की भाषा को लेकर अब भी विवाद बना हुआ है। इसी कारण समझौते को अंतिम रूप देने में देरी हो रही है।

तेल के दामों में आई भारी गिरावट, मंहगाई के बीच आम जनता को मिलेगी राहत

नई दिल्ली, 27 मई। आयातकों के एक बार फिर लागत से नीचे दाम पर खाद्यतेलों की बिकवाली करने से खाद्य तेल-तिलहन बाजार में बुधवार को सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन जैसे खाद्यतेलों के दाम में गिरावट रही। बाजार सूत्रों ने कहा कि गर्मी की मूंगफली फसल आने के बीच आयातित खाद्यतेलों में इस गिरावट

के असर से मूंगफली तेल-तिलहन में भी नरमी रही। वहीं आवक कम रहने के कारण सरसों तेल-तिलहन तथा नाममात्र की उपलब्धता के बीच मांग बढ़ने से बिनौला तेल के दाम में सुधार आया। शिकॉगो एक्सचेंज में सुबह के कारोबार में गिरावट थी और फिलहाल यहां सुधार जारी है।

दूसरी ओर, 'बकरीद' के मौके पर मलेशिया एक्सचेंज बंद है। सूत्रों ने कहा कि बैंकों में अपना 'लेटर आफ क्रेडिट' (साखपत्र) बनाये रखने के लिए आयातक लागत से नीचे दाम पर आयातित खाद्यतेल बेच रहे हैं। इस वजह से सोयाबीन तेल-तिलहन और पाम-पामोलीन में गिरावट है। इस ओर सरकार को ध्यान देना होगा कि इससे बैंकों का कितना नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि खाद्यतेलों की कमी को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर इस देश में आयातकों को लागत से नीचे दाम पर बेचना पड़े, यह अपने आप में विचारणीय है।

सूचना

देशवासियो को ईद-उल-अजहा (बकरीद) की हार्दिक शुभकामनाएं! इस अवसर पर उत्तरशक्ति प्रेस दिंनाक 28 मई को बंद रहेगा अगला अंक 30 मई को प्रकाशित होगा।

- संपादक

दिल्ली में 30 जून से शुरू होगा एसआईआर, अंतिम मतदाता सूची सात अक्टूबर को आएगी : सीईओ

नई दिल्ली, 27 मई। दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया 30 जून से बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर पारदर्शी तरीके से शुरू की जाएगी। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) अशोक कुमार ने बुधवार को यह जानकारी दी। कुमार ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 20 से 29 जून तक बीएलओ का प्रशिक्षण, गणना प्रपत्रों और अन्य दस्तावेजों की छपाई जैसी आंतरिक तैयारियां की जाएंगी। इस

विशाल अभियान में 13,000 बीएलओ सहित लगभग 25,000 कर्मी शामिल होंगे।

कुमार ने बताया कि गणना प्रपत्रों के साथ कोई दस्तावेज संलग्न करने की आवश्यकता नहीं होगी। अधिकारी ने इस बात पर जोर देते हुए बताया कि एसआईआर का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए और कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता न बन सके। उन्होंने यह भी कहा कि केवल एएसडीडीएफ श्रेणी (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, डुप्लिकेट या विदेशी) के अंतर्गत आने वाले लोगों को ही मतदाता सूची से हटाया जाएगा।

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers,
Opp. Santacruz Railway Station (East),
Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old),
Near Gurukripa Hotel,
Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

क्या आम आदमी विकास से बाहर छूट रहा है?

-ललित गर्ग

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद नए भारत के निर्माण के जिन आधार स्तंभों की कल्पना की गई थी, उनमें शिक्षा और चिकित्सा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई थी। यह माना गया था कि यदि देश के नागरिक शिक्षित, स्वस्थ और जागरूक होंगे तो लोकतंत्र मजबूत होगा, सामाजिक असमानताएं कम होंगी और राष्ट्र विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। शिक्षा को व्यक्ति निर्माण और चिकित्सा को जीवन रक्षा का माध्यम माना गया था। लेकिन स्वतंत्रता के लगभग आठ दशकों बाद स्थिति चिंताजनक प्रश्न खड़े करती है कि क्या ये दोनों क्षेत्र अपने मूल उद्देश्य से भटककर व्यवसाय और बाजार के अधीन नहीं हो गए हैं? आज शिक्षा और चिकित्सा दोनों क्षेत्रों में जो विसंगतियां दिखाई देती हैं, वे केवल व्यवस्थागत संकट नहीं बल्कि सामाजिक संकट का रूप ले चुकी हैं। एक ओर शिक्षा व्यवस्था परीक्षा, अंकों और प्रतिस्पर्धा की आर्थिक मशीन बन गई है, वहीं दूसरी ओर चिकित्सा सेवा लाभ-हानि के गणित में उलझती दिखाई देती है। इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती व्यावसायिकता ने आम आदमी को सबसे अधिक प्रभावित किया है। शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं था। शिक्षा अब डिग्री, नौकरी और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होती दिखाई देती है।

शिक्षा व्यवस्था की विफलताओं का सबसे भयावह चेहरा कोटा, सीकर और अन्य कोचिंग एवं शिक्षा केंद्रों में बढ़ती छात्र आत्महत्याओं के रूप में सामने आया है। कोटा, जो कभी देश की शैक्षणिक आकांक्षाओं का केंद्र माना जाता था, अब विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा, अकेलेपन और असफलता के भय के कारण आत्महत्या की घटनाओं से लगातार चर्चा में रहा है। कोटा, सीकर तथा अन्य कोचिंग नगरों में पिछले वर्षों में अनेक विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाओं ने शिक्षा व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर किया है। राजस्थान के सीकर में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र की आत्महत्या की घटना इसी विडंबना का उदाहरण है। परीक्षा रद्द होने से उत्पन्न अनिश्चितता और मानसिक तनाव ने एक संभावनाशील जीवन समाप्त कर दिया। यह घटना अकेली नहीं है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2024 में 14,488 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की। औसतन हर 36 मिनट में एक विद्यार्थी जीवन समाप्त कर रहा है। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था की सामूहिक विफलता है।

दूसरी ओर नीट, नेट, प्रतियोगी भर्ती परीक्षाओं तथा अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणामों में विवाद और अनिश्चितता की स्थितियों ने विद्यार्थियों में गहरा असंतोष और अविश्वास पैदा किया है। वर्षों की तैयारी करने वाले छात्र जब परीक्षा प्रणाली को ही अविश्वसनीय पाते हैं तो उनमें निराशा और मानसिक तनाव बढ़ना स्वाभाविक है। आज परीक्षा प्रणाली अविश्वसनीय होती जा रही है। प्रश्नपत्र लीक होना, परीक्षाओं का रद्द होना, मूल्यांकन विवाद, शोध कार्यों में साहित्यिक चोरी, पीएचडी प्रक्रियाओं का औपचारिक बन जाना और कोचिंग संस्कृति का बढ़ना शिक्षा के बाजारीकरण की तस्वीर प्रस्तुत करता है। शिक्षा अब ज्ञान से अधिक निवेश और प्रतिफल का विषय बनती जा रही है। धीरे-धीरे शिक्षा सेवा से व्यवसाय में बदलती गई। बड़े निजी विद्यालय, कोचिंग संस्थान और विश्वविद्यालय आज करोड़ों के उद्योग बन चुके हैं। डॉक्टर और इंजीनियर बनाने के सपनों का ऐसा व्यापार खड़ा हुआ जिसमें अभिभावक आर्थिक रूप से टूटने लगे। आज एक सामान्य परिवार अपने बच्चों की शिक्षा के लिए जीवन भर की बचत खर्च करने को विवश है। विद्यालयों की ऊंची फीस, निजी कोचिंग, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उच्च शिक्षा की महंगी व्यवस्था ने शिक्षा को आम आदमी की पहुंच से दूर कर दिया है।

इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। चिकित्सा को कभी सेवा का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन आज निजी चिकित्सालयों की बढ़ती संख्या और उनकी व्यावसायिक प्रवृत्ति ने आम नागरिक को संकट में डाल दिया है। इलाज इतना महंगा हो गया है कि अनेक परिवार बीमारी के कारण आर्थिक रूप से टूट जाते हैं। निजी अस्पतालों में उपचार, जांच, आईसीयू, दवाओं का खर्च और नकली दवाओं से जीवन समाप्त होने की घटनाएं लगातार बढ़ी है। अनेक मामलों में अनावश्यक परीक्षण, अत्यधिक शुल्क और व्यावसायिक दृष्टिकोण की शिकायतें सामने आती रहती हैं। चिकित्सा सेवा का उद्देश्य रोगी को राहत देना था, लेकिन कई स्थानों पर यह लाभ कमाने की प्रणाली में बदलती दिखाई देती है। जगह-जगह खुले निजी अस्पताल और शिक्षण संस्थान एक प्रकार की प्रतिस्पर्धा में उतर आए हैं। लेकिन यह प्रतिस्पर्धा गुणवत्ता की अपेक्षा लाभ कमाने की अधिक दिखाई देती है। परिणाम यह हुआ कि शिक्षा और चिकित्सा दोनों ही सामान्य नागरिक की आर्थिक क्षमता से बाहर जाने लगी हैं। इन परिस्थितियों का एक सामाजिक दुष्परिणाम भी सामने आया है। आर्थिक दबाव, भविष्य की अनिश्चितता, शिक्षा का तनाव, महंगी चिकित्सा और रोजगार संकट के कारण अवसाद, मानसिक तनाव और आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। युवा पीढ़ी उपलब्धियों के दबाव में टूट रही है, जबकि परिवार आर्थिक बोझ से जूझ रहे हैं।

शिक्षा मंत्रालय को अधिक सशक्त, उत्तरदायी और कठोर भूमिका निभाते हुए परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, तकनीक आधारित और सुरक्षित बनाना होगा। इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र में देशभर में स्थापित हुए नए एम्स संस्थानों एवं उच्च चिकित्सा केंद्रों का लाभ व्यवस्था में आम नागरिक तक सरल, सस्ती और सुलभ व्यवस्था के रूप में पहुंचे, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता केवल बड़े अस्पताल बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सर्वसुविधायुक्त, विशेषज्ञ सेवाओं से युक्त तथा दूरदराज और पिछड़े क्षेत्रों तक विस्तारित करने की है, ताकि महानगरों पर निर्भरता कम हो और ग्रामीण तथा वंचित वर्ग भी उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं का लाभ सहजता से प्राप्त कर सके। नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, कौशल आधारित और बहुआयामी बनाने का प्रयास हुआ है। देश में नए आईआईटी, आईआईएम, केंद्रीय विश्वविद्यालय, एम्स और चिकित्सा संस्थानों की स्थापना भी गई है। उच्च शिक्षा और उच्च चिकित्सा के नए केंद्र विकसित हुए हैं। मेडिकल कॉलेजों की संख्या में वृद्धि हुई और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के प्रयास किए गए। यह कहना भी उचित नहीं होगा कि पूरा परिदृश्य केवल निराशाजनक है। पिछले वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में कुछ सकारात्मक प्रयास भी हुए हैं। विशेष रूप से जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आई, तब इन क्षेत्रों की संरचनात्मक कमियों की ओर अपेक्षाकृत अधिक ध्यान दिया गया। चिकित्सा क्षेत्र में आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने गरीब वर्ग को राहत देने का प्रयास किया है। जिला स्तर तक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में भी पहल हुई है। शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और स्थानीय भाषाओं में अध्ययन पर बल दिया गया। लेकिन भारत जैसी विशाल जनसंख्या वाले देश में ये प्रयास अभी पर्याप्त नहीं कहे जा सकते। जिस गति से जनसंख्या बढ़ी है, उस अनुपात में सरकारी शिक्षा और चिकित्सा संस्थानों का विस्तार नहीं हो पाया। यही कारण है कि निजी क्षेत्र ने उस खाली स्थान को भर दिया और धीरे-धीरे प्रमुख भूमिका में आ गया। अब आवश्यकता केवल नए संस्थान खोलने की नहीं बल्कि सरकारी शिक्षा और चिकित्सा को अधिक प्रभावी, सुलभ और उद्देश्यपूर्ण बनाने की है। सरकारी विद्यालयों और अस्पतालों की गुणवत्ता बढ़ानी होगी। उनमें आधुनिक संसाधन, प्रशिक्षित मानवबल और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। निजी शिक्षा और चिकित्सा संस्थानों पर प्रभावी नियंत्रण भी आवश्यक है। शिक्षा और चिकित्सा को पूर्णतः बाजार की शक्तियों पर नहीं छोड़ा जा सकता, क्योंकि ये केवल आर्थिक गतिविधियां नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व हैं। शिक्षा नीति को समाज और जीवन से जोड़ना होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा और चिकित्सा को पुनः सेवा और राष्ट्र निर्माण के मूल उद्देश्य से जोड़ा जाए। यदि ये दोनों क्षेत्र केवल व्यापार बन गए तो सामाजिक असमानता और बढ़ेगी, प्रतिभाएं टूटेंगी और आम आदमी विकास की मुख्यधारा से बाहर होता जाएगा। भारत के भविष्य की दिशा इस बात से तय होगी कि शिक्षा और चिकित्सा कितनी सुलभ, समान और मानवीय बनती हैं। सरकार, समाज, नीति निर्माताओं और निजी क्षेत्र को मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी जिसमें कोई बच्चा आर्थिक कारणों से शिक्षा से वंचित न हो और कोई नागरिक उपचार के अभाव में पीड़ित न रहे। यही स्वतंत्र भारत की मूल भावना थी और यही भविष्य का मार्ग भी होना चाहिए।

क्यों बार बार उठती है कर्नाटक के मुख्यमंत्री बदलने की बात, क्या है

अशोक भाटिया

स्पष्ट है कि कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने की चर्चा का मुख्य कारण मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बीच 'सत्ता के बंटवारे' का अंदरूनी विवाद है। 2023 में कांग्रेस की प्रचंड जीत के बाद से ही डी.के. शिवकुमार खेमा ढाई-ढाई साल के रोटेशनल फॉमूर्ले के तहत उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहा है। 2023 के विधानसभा चुनाव में जीत के बाद कांग्रेस आलाकमान ने सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री और डी.के. शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री बनाया था। शिवकुमार खेमे का दावा है कि हाईकमान ने आधा कार्यकाल पूरा होने पर मुख्यमंत्री की कुर्सी उन्हें सौंपने का वादा किया था।

बीते महीनों में कई बार नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें सामने आईं। डीके समर्थक खुले तौर पर सत्ता हस्तांतरण की बात करते रहे, जबकि सिद्दारमैया खेमे ने इसे खारिज किया। इससे सरकार और संगठन दोनों स्तरों पर असहज स्थिति बनी रही। विपक्षी भाजपा और जेडीएस भी लगातार कांग्रेस की अंदरूनी कलह को मुद्दा बनाते रहे। कांग्रेस हाईकमान की सबसे बड़ी चिंता यह थी कि यदि यह संघर्ष लंबा चला तो उसका असर 2028 के विधानसभा की तैयारी और दक्षिण भारत में पार्टी की स्थिरता पर पड़ सकता है। इसलिए अब पार्टी नेतृत्व एक स्पष्ट सत्ता परिवर्तन मॉडल की ओर बढ़ता दिख रहा है।

हालांकि, सूत्रों का कहना है कि चर्चा सिर्फ मुख्यमंत्री बदलने तक सीमित नहीं है। दरअसल राज्यसभा की तीन सीटों के लिए उम्मीदवार तय करने पर भी मंथन हो रहा है। मल्लिकार्जुन खरगे का नाम राज्यसभा के लिए प्रमुख दावेदार बताया जा रहा है। इसके अलावा, विधान परिषद की तीन खाली सीटों पर भी चर्चा चल रही है। एक सीट पर सरकार के पास बहुमत है, बाकी को लेकर रणनीति बनाई जा रही है। यानी 'पावर बैलेंस' और संगठनात्मक समीकरण को साधने की कोशिश जारी है।

पार्टी के अंदरूनी संकेत बताते हैं कि डीके शिवकुमार को संगठन और हाईकमान का मजबूत समर्थन मिल रहा है। प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर उन्होंने कर्नाटक में पार्टी को खड़ा करने में अहम भूमिका निभाई थी। ऐसे में माना जा रहा है कि सत्ता और संगठन के बीच संतुलन बनाने के लिए नेतृत्व परिवर्तन पर गंभीरता से विचार हो रहा है।

सूत्रों के अनुसार कांग्रेस हाय कमान की बैठक में सीएम की कुर्सी ट्रांसफर करने के लिए कांग्रेस ने बीजेपी का बिहार फॉमूर्ला निकाल सकता है। जिस तरह बिहार में नीतीश कुमार को राज्यसभा और उनके बेटे को सम्राट चौधरी कैबिनेट में जगह दी गई है, उसी तरह सिद्धारमैया को ऑफर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, मैराथन मीटिंग के बाद हाईकमान ने सिद्धारमैया को सीएम की कुर्सी छोड़ने के बाद राज्यसभा भेजने का ऑफर दिया है। साथ ही उनके बेटे में डीके शिवकुमार के कैबिनेट में जगह दी जाएगी।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने छह घंटे से अधिक समय तक कांग्रेस हाई कमान मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल और राज्य प्रभारी रणदीप सुरजेवाला के साथ बिताए। उसी दिन राहुल ने एक एकांत बैठक के दौरान सिद्धारमैया से पार्टी में राष्ट्रीय भूमिका निभाने पर विचार करने को कहा। उनसे एक सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा गया।

बहरहाल वेणुगोपाल ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की मौजूदगी में नेतृत्व परिवर्तन पर चर्चा की बातों को अटकलें बताकर हालाँकि खारिज कर किया है। उन्होंने कहा कि बैठकें आगामी राज्यसभा और विधान परिषद चुनावों तक ही सीमित थीं। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि सिद्धारमैया ने राहुल से कहा कि उनकी राष्ट्रीय राजनीति में आने की कोई महत्वाकांक्षा नहीं है, लेकिन राहुल ने जोर दिया कि वह कांग्रेस को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करने के लिए इस अनुभवी डइउ नेता को अपनी टीम में चाहते हैं। राहुल अब तक सिद्धारमैया को बदलने के विचार का विरोध करते रहे थे, जबकि पार्टी के शीर्ष पदों पर बैठे अन्य लोगों का मानना था कि नेतृत्व में बदलाव से कांग्रेस को मदद मिल सकती है। सिद्धारमैया जी भले ही इस घटनाक्रम से इंकार करें धुंवा तभी निकलता है जब कोई चिंगारी निकलती है ।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार सिद्धारमैया ने कोई भी फैसला लेने से पहले अपने वफादारों से सलाह-मशविरा करने के लिए समय मांगा। चचाओं के दौरान, उन्होंने संकेत दिया कि वह राहुल का सामना करने के बजाय पद छोड़ना पसंद करेंगे। राहुल ने ही अपने करियर में दो बार उन्हें मुख्यमंत्री पद के लिए समर्थन दिया था, भले ही कांग्रेस के भीतर उन्हें एक बाहरी व्यक्ति के तौर पर देखा जाता रहा हो। राहुल के इस पुनर्विचार का क्षण वही है जिसका शिवकुमार पिछले छह महीनों से इंतजार कर रहे थे। वह शुरू से ही यह कहते आ रहे थे कि सरकार गठन के समय उनसे बारी-बारी से कार्यकाल (रोटेशनल टेन्योर) का वादा किया गया था। जब 2023 में कांग्रेस ने भाजपा को हराकर राज्य चुनाव जीता था, तब शिवकुमार ही पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष थे।

सूत्रों ने बताया कि सिद्धारमैया के खेमे में इस बात पर चर्चा हुई कि उन्हें अपना विरोध दर्ज कराना चाहिए। इसके लिए वह इस्तीफा देने से इनकार करें या पद छोड़कर और किसी भी राष्ट्रीय भूमिका को ठुकराकर। अगर सिद्धारमैया राज्यसभा में जाने के लिए राजी हो जाते हैं, तो इससे विपक्ष के नेता के पद में बदलाव की जरूरत पड़ सकती है, जो अभी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पास है।

कई लोगों का मानना है कि राज्यसभा में सिद्धारमैया विपक्ष के नेता (छड्ढ) के लिए एक मजबूत दावेदार हो सकते हैं, जिससे कांग्रेस को डइउ वोट बैंक में मदद मिलेगी। सूत्रों के मुताबिक, राहुल की टीम ने बातचीत के दौरान सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र के लिए कैबिनेट में संभावित जगह देने पर भी चर्चा की। जून में कर्नाटक से राज्यसभा की चार सीटों के लिए होने वाले चुनावों से पहले, 77 साल के इस नेता को राज्यसभा में भेजने की संभावना तेज हो गई है। कांग्रेस को कम से कम तीन सीटें जीतने का भरोसा है।

यह देखना बाकी है कि क्या मुख्यमंत्री चुपचाप डीके शिवकुमारको अपनी जगह लेने देते हैं, या इसका विरोध करते हैं, जिससे किसी तीसरे उम्मीदवार के लिए समझौते का रास्ता खुल सकता है। सिद्धारमैया खेमे का कहना है कि वह अभी भी विधायक दल की पहली पसंद हैं, और उन्होंने अपनी अहमियत साबित करने के लिए 108 विधायकों के दस्तखत वाली एक लिस्ट सौंपी है। अक्ठउ की चचाओं के बाद, सिद्धारमैया ने अपने करीबी मंत्रियों और विधायकों से अपने वरिष्ठ मंत्री के.जी. जॉर्ज के दिल्ली स्थित घर पर मुलाकात की। उम्मीद है कि वह अपने आगे के कदम तय करने से पहले बुधवार को बेंगलुरु में एक और दौर की बातचीत करेंगे।

राजनीतिक दृष्टि से यह खीचतान कांग्रेस के लिए फायदे और जोखिम दोनों लेकर आती है। फायदा यह है कि पार्टी डीके शिवकुमार को पूरी तरह संतुष्ट कर सकती है। लंबे समय से इंतजार कर रहे डीके को मुख्यमंत्री बनाने से संगठन में उनका प्रभाव और बढ़ेगा तथा वे 2028 के विधानसभा चुनाव तक अपनी टीम तैयार कर पाएंगे। दूसरी ओर, सिद्दारमैया को राज्यसभा भेजकर कांग्रेस उनके अनुभव का इस्तेमाल राष्ट्रीय स्तर पर करना चाहती है। दक्षिण भारत में भाजपा के खिलाफ विपक्षी रणनीति तैयार करने, सामाजिक न्याय के मुद्दों को उठाने और ओबीसी राजनीति को मजबूती देने में उनकी भूमिका अहम हो सकती है। एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि राज्य में कैबिनेट में फेरबदल की सिद्धारमैया की मांग पर अक्ठउ की बैठकों में कोई चर्चा नहीं हुई, इससे यह संकेत मिलता है कि मुख्यमंत्री के पद पर बने रहने की कोई गारंटी नहीं थी। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस नेतृत्व राजस्थान जैसे संकट से बचना चाहता था, और इसलिए उसने तनावपूर्ण समाधान के बजाय बातचीत के जरिए बदलाव को प्राथमिकता दी। कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों ने हाल ही में यह तर्क दिया है कि नेतृत्व में कोई भी बदलाव सिद्धारमैया की सहमति से ही होगा, क्योंकि पार्टी उनकी वरिष्ठता के साथ-साथ इस बात का भी ध्यान रखती है कि वह एक वरिष्ठ डइउ नेता हैं, जिनकी सोशल इंजीनियरिंग से पार्टी को राजनीतिक फायदा मिलता है। राज्य के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी को सिद्धारमैया को हटाने के संभावित नतीजों पर विचार करना होगा। उनके समुदाय, कुरुबा, का पूरे राज्य में प्रभाव है और वह कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने की ताकत रखता है।

कुर्बानी की भावना में छिपी इंसानियत की सबसे बड़ी सीख

-सुरेश गांधी

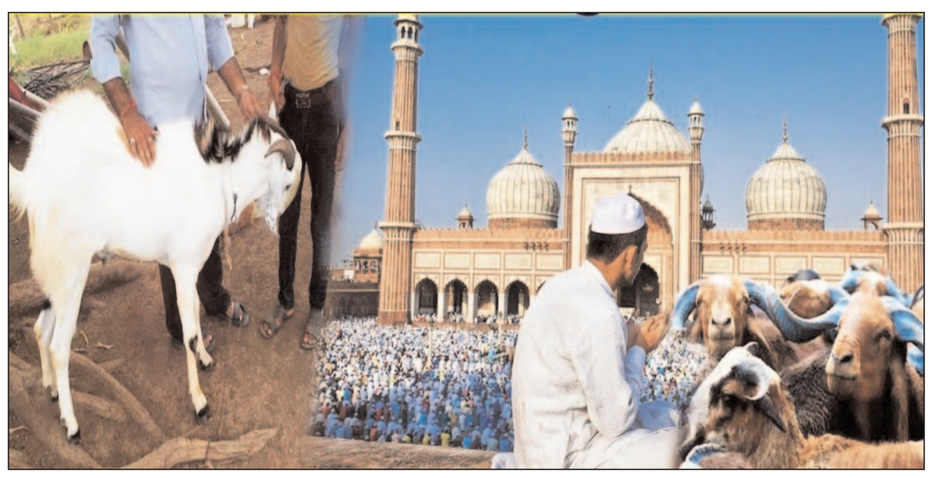

त्योहार केवल उत्सव नहीं होते, वे समाज की आत्मा के दर्पण भी होते हैं। वे मनुष्य को उसके मूल्यों, परंपराओं और मानवीय दायित्वों से जोड़ने का काम करते हैं। बकराईद या ईद-उल-अजहा भी ऐसा ही एक पर्व है, जो अपने भीतर आस्था, त्याग, समर्पण और सामाजिक संवेदना की गहरी परतें समेटे हुए है। अक्सर इस पर्व को केवल कुबार्नी के दृष्टिकोण से देखा जाता है, लेकिन इसके मूल में छिपा दर्शन कहीं अधिक व्यापक और मानवीय है। यह पर्व मनुष्य को सिखाता है कि जीवन केवल अपने लिए जीने का नाम नहीं, बल्कि दूसरों के सुख-दुख में सहभागी बनने का भी अवसर है। जब कोई व्यक्ति अपनी प्रिय वस्तु को ईश्वर की इच्छा और मानवता की भलाई के लिए त्यागने का साहस रखता है, तब वह केवल धार्मिक कर्तव्य नहीं निभाता, बल्कि इंसानियत के सर्वोच्च आदर्श को भी जीवंत करता है। बकराईद हमें यह सोचने के लिए भी प्रेरित करती है कि क्या वास्तविक कुबार्नी केवल परंपरा निभाने में है, या अपने भीतर के अहंकार, स्वार्थ, लालच और कटुता को त्याग देने में भी? शायद इसी प्रश्न के उत्तर में इस पर्व की सबसे बड़ी खूबसूरती छिपी है

जब आस्था समर्पण बन जाती है, जब त्याग केवल परंपरा नहीं बल्कि जीवन का मूल्य बन जाता है, तब ईद-उल-अजहा का पर्व मानवता को एक गहरा संदेश देता है। यह केवल कुबार्नी का उत्सव नहीं, बल्कि रिश्तों, सामाजिक जिम्मेदारियों और ईश्वर के प्रति अटूट विश्वास की कहानी है। ईश्वर और मनुष्य के बीच संबंध केवल पूजा-पाठ या अनुष्ठानों तक सीमित नहीं होते। धर्मों के इतिहास में कुछ ऐसे प्रसंग हैं, जो मनुष्य को जीवन के गहनतम मूल्यों से परिचित कराते हैं। ऐसे ही प्रसंगों में एक है बकराईद या ईद-उल-अजहा का पर्व, जो त्याग, समर्पण और अटूट आस्था की जीवंत मिसाल बनकर हर वर्ष आता है। यह केवल मुसलमानों का एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए जीवन के उच्च आदर्शों का संदेश है। बकराईद का नाम सुनते ही आम तौर पर लोगों के मन में कुबार्नी का विचार आता है, लेकिन यदि इसके वास्तविक अर्थ और दर्शन को समझा जाए तो यह केवल किसी पशु की कुबार्नी तक सीमित नहीं है। यह मनुष्य के भीतर मौजूद अहंकार, लालच, स्वार्थ और बुराइयों की कुबार्नी का संदेश देता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन का सबसे बड़ा धर्म केवल लेना नहीं, बल्कि त्याग करना भी है।

ईद-उल-अजहा के पीछे एक अत्यंत प्रेरणादायक धार्मिक प्रसंग जुड़ा हुआ है। इस्लामी मान्यताओं के अनुसार, पैगंबर इब्राहिम को ईश्वर ने स्वप्न में आदेश दिया कि वे अपनी सबसे प्रिय वस्तु को ईश्वर की राह में कुर्बान करें। पैगंबर इब्राहिम ने इस आदेश को ईश्वरीय इच्छा मानकर स्वीकार किया। उनकी सबसे प्रिय वस्तु उनके पुत्र इस्माइल थे। उन्होंने अपने पुत्र से इस बारे में चर्चा की। पुत्र ने भी ईश्वर की इच्छा को सर्वोपरि मानते हुए स्वयं को प्रस्तुत कर दिया। जब इब्राहिम अपने पुत्र की कुबार्नी देने जा रहे थे, उसी समय ईश्वर ने उनकी निष्ठा और समर्पण की परीक्षा पूर्ण मानते हुए पुत्र के स्थान पर एक दुम्बे की कुबार्नी स्वीकार कर ली। यह प्रसंग केवल धार्मिक कथा नहीं है, बल्कि यह बताता है कि सच्ची आस्था वह होती है, जहां मनुष्य अपनी इच्छाओं से ऊपर उठकर सत्य और कर्तव्य को स्वीकार करता है। यह घटना आज भी मनुष्य को याद दिलाती है कि जीवन में कभी-कभी अपने सबसे प्रिय स्वार्थों का त्याग करना ही सबसे बड़ी साधना होती है। आज के समय में कुबार्नी शब्द को अक्सर केवल पशु बलि तक सीमित कर दिया जाता है, जबकि इस शब्द का व्यापक अर्थ है अपने भीतर की नकारात्मकताओं को समाप्त करना। मनुष्य के भीतर अनेक प्रकार की कमजोरियां होती हैं—अहंकार, लालच, ईर्ष्या, घृणा और स्वार्थ। यदि बकराईद के अवसर पर इन बुराइयों को त्यागने का संकल्प लिया जाए, तभी इस पर्व का वास्तविक उद्देश्य पूरा माना जाएगा। किसी गरीब की सहायता करना, भूखे को भोजन देना, रिश्तों में कटुता समाप्त करना और समाज में प्रेम बढ़ाना भी एक प्रकार की कुबार्नी ही है। धर्मग्रंथों का संदेश भी यही है कि ईश्वर तक केवल बाहरी कर्म नहीं पहुंचते, बल्कि मनुष्य का भाव और उसकी नीयत पहुंचती है।

सामाजिक समानता का उत्सव

ईद-उल-अजहा केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है। इसका एक अत्यंत महत्वपूर्ण सामाजिक पक्ष भी है। इस दिन कुबार्नी के मांस को तीन हिस्सों में बांटने की परंपरा है—एक हिस्सा परिवार के लिए, दूसरा रिश्तेदारों और मित्रों के लिए तथा तीसरा जरूरतमंदों और गरीबों के लिए। यह व्यवस्था केवल एक धार्मिक नियम नहीं बल्कि सामाजिक समानता का सुंदर उदाहरण है। समाज में आर्थिक विषमता चाहे जितनी भी हो, त्योहार के दिन कोई भूखा न रहे, कोई उपेक्षित न रहे—यह इसकी मूल भावना है। आज जब समाज तेजी से आर्थिक और सामाजिक विभाजनों की ओर बढ़ रहा है, तब बकराईद का यह संदेश और अधिक प्रासंगिक हो जाता है।

भारतीय संस्कृति में बकराईद का रंग

भारत विविधताओं का देश है। यहां त्योहार केवल धार्मिक सीमाओं में नहीं बंधते बल्कि सामाजिक उत्सव बन जाते हैं। जिस प्रकार दीपावली पर मुस्लिम परिवार अपने हिंदू मित्रों के घर पहुंचते हैं और होली में रंगों का आनंद लेते हैं, उसी प्रकार बकराईद पर भी सामाजिक समरसता की अद्भुत तस्वीर दिखाई देती है। भारत की गलियों में बकराईद की सुबह एक अलग ही दृश्य प्रस्तुत करती है। मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज के लिए उमड़ती भीड़, नए वस्त्र पहने बच्चे, गले मिलते लोग और घरों में पकते विभिन्न व्यंजन—यह सब मिलकर एक जीवंत सांस्कृतिक वातावरण बना देते हैं। काशी, लखनऊ, हैदराबाद, दिल्ली और भोपाल जैसे शहरों में तो यह पर्व सांस्कृतिक रंगों का एक विशाल उत्सव बन जाता है।

काशी की गलियों में बकराईद

यदि काशी की बात करें तो यहां का वातावरण कुछ अलग ही होता है। विश्व की प्राचीन सांस्कृतिक नगरी होने के कारण यहां धार्मिक विविधता सदियों से एक साथ सांस लेती रही है। बकराईद के अवसर पर यहां की पुरानी बस्तियों, मदनपुरा, लल्लापुरा, बजरडीहा और अन्य क्षेत्रों में विशेष रौनक देखने को मिलती है। बाजारों में सेवइयों, सूखे मेवों, कपड़ों और पारंपरिक वस्तुओं की खरीदारी बढ़ जाती है। बच्चे नए कपड़ों को लेकर उत्साहित दिखाई देते हैं और घरों में विशेष पकवानों की तैयारी शुरू हो जाती है। काशी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां त्योहारों में धर्म से अधिक अपनापन दिखाई देता है।

समय के साथ हर परंपरा में परिवर्तन आता है। आधुनिक तकनीक और डिजिटल युग ने त्योहारों के स्वरूप को भी प्रभावित किया है। आज ऑनलाइन बधाइयों का दौर है। विदेशों में रहने वाले परिवार वीडियो कॉल के माध्यम से त्योहार का हिस्सा बनते हैं। युवा पीढ़ी सोशल मीडिया पर उत्सव की झलकियां साझा करती है। लेकिन इस आधुनिकता के बीच यह चिंता भी दिखाई देती है कि कहीं त्योहारों का मूल उद्देश्य केवल दिखावा बनकर न रह जाए। त्योहारों का वास्तविक अर्थ बाजारों की चमक में नहीं, बल्कि दिलों के संबंधों में छिपा होता है।

पर्यावरण और जिम्मेदारी का प्रश्न

आज के समय में त्योहारों को पर्यावरणीय दृष्टि से भी देखने की आवश्यकता है। धार्मिक आयोजनों के दौरान स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सार्वजनिक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक हो गया है। त्योहार तभी सार्थक बनेंगे जब आस्था और सामाजिक जिम्मेदारी साथ-साथ चलें। धर्म मनुष्य को संवेदनशील बनाता है, असंवेदनशील नहीं।

बकराईद और इंसानियत का पाठ

आज दुनिया अनेक संकटों से घिरी हुई है। युद्ध, हिंसा, आर्थिक असमानता और सामाजिक तनाव लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में बकराईद का संदेश पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि मनुष्य की महानता उसके संग्रह में नहीं, बल्कि उसके त्याग में होती है। जो व्यक्ति केवल अपने लिए जीता है, उसका जीवन सीमित हो जाता है, लेकिन जो दूसरों के लिए जीना सीखता है, उसका अस्तित्व समाज में स्थायी हो जाता है। किसी गरीब के चेहरे पर मुस्कान लाना, किसी जरूरतमंद की सहायता करना और किसी टूटे हुए रिश्ते को फिर से जोड़ना—यही सच्ची कुबार्नी है।

त्योहार केवल कैलेंडर की तारीख नहीं होते

त्योहार केवल वर्ष में आने वाली कुछ तिथियां नहीं होते। वे समाज की आत्मा होते हैं। वे मनुष्य को मशीन बनने से बचाते हैं। वे हमें रिश्तों, भावनाओं और मानवीय मूल्यों की याद दिलाते हैं। बकराईद भी ऐसा ही पर्व है। यह केवल नमाज पढ़ने या परंपराओं का पालन करने तक सीमित नहीं है। यह मनुष्य को अपने भीतर झांकने का अवसर देता है। यह पूछता है—क्या हम अपने भीतर के अहंकार को छोड़ पाए हैं? क्या हमने अपने स्वार्थों की कुबार्नी दी है? क्या हमने किसी जरूरतमंद का हाथ थामा है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर 'हां' है, तभी इस पर्व का वास्तविक उद्देश्य पूरा होता है।

कुबार्नी से करुणा तक की यात्रा

बकराईद का संदेश किसी एक समुदाय या धर्म तक सीमित नहीं है। यह मानवता के सार्वभौमिक मूल्यों की बात करता है। यह हमें सिखाता है कि विश्वास केवल शब्दों से नहीं, कर्मों से सिद्ध होता है। त्याग केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन की आवश्यकता है। और इंसानियत केवल विचार नहीं, बल्कि व्यवहार होनी चाहिए। जब समाज में प्रेम बढ़ेगा, जब लोग एक-दूसरे की पीड़ा समझेंगे और जब मनुष्य अपने स्वार्थों से ऊपर उठेगा, तभी बकराईद का वास्तविक अर्थ साकार होगा। क्योंकि अंततः ईश्वर को हमारी संपत्ति नहीं, हमारे दिलों की सच्चाई चाहिए। और शायद यही बकराईद की सबसे बड़ी सीख है. कुबार्नी केवल किसी जीव की नहीं, बल्कि अपने भीतर छिपी बुराइयों की होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी के बारह साल और मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश की राजनीति के मिजाज को समझने के लिए इसके अलग-अलग अंचलों की जमीनी हकीकत को करीब से देखना बेहद जरूरी है। इसके लिए महाकौशल के जंगलों, मालवा के तपते मैदानों, बुंदेलखंड की पथरीली जमीन और चंबल के घने बीहड़ों के बीच बसे गांवों के जमीनी माहौल को समझना जरूरी है। अपने पत्रकारिता के अब तक के सफर में, मैंने जमीनी स्तर पर कई बड़े विकास कार्यक्रमों और जनसभाओं को कवर किया है। इस दौरान मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी कई कार्यक्रम, सभाएं कवर की। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के बारह वर्ष पूरे होने के इस पड़ाव पर जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूँ, तो एक पत्रकार के रूप में मेरा यह स्पष्ट और सीधा व्यावहारिक अनुभव रहा है कि उनकी सभाओं का माहौल हमेशा किसी उत्सव या एक जबरदस्त सामूहिक 'उन्माद' जैसा रहा है। श्रोताओं में जो जोश, जो करंट और जो उत्साह मैंने इन वर्षों में अपनी आंखों से देखा है, वह देश के किसी दूसरे नेताओं की सभाओं या कार्यक्रमों में नहीं दिख पाता। यही वह खूबी है जो नरेंद्र मोदी को भारत के बाकी तमाम नेताओं से अलग करती है और 12 साल के लंबे शासनकाल के बाद भी उन्हें राजनीति के शीर्ष पर सिरमौर बनाकर रखती है। इन बारह वर्षों में दिल्ली की सत्ता से चली नीतियां मध्य प्रदेश के सुदूर गांवों और आदिवासियों तक किस रूप में पहुँचीं और इसने बुनियादी ढांचे को कैसे बदला, यह देखना किसी भी राजनीतिक विश्लेषक के लिए एक जीवंत अनुभव है। इन 12 वर्षों के दौरान दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे के मालवा हिस्से (रतलाम-मंदसौर) का निर्माण, भोपाल-इंदौर मेट्रो परियोजना की प्रगति और जल जीवन मिशन के जरिए घर-घर पहुँचे पानी ने मध्य प्रदेश की जनता की आकांक्षाओं को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहाँ राज्य के चुनाव बिजली, सड़क और पानी के बुनियादी संकटों के इर्द-गिर्द सिमटे रहते थे, वहीं आज का मध्य प्रदेश एक्सप्रेस वे, डिजिटल गवर्नेंस और वैश्विक कनेक्टिविटी की भाषा बोलता है। एक पत्रकार का कार्य केवल दौरों और घोषणाओं की सूची बनाना नहीं है, बल्कि यह देखना भी है कि इस विकास ने जमीनी स्तर पर जनता की सोच और उम्मीदों के स्तर को कहाँ पहुँचा दिया है। निश्चित रूप से, इस बारह साल के लंबे सफर में रोजगार के नए अवसरों का सृजन और जमीनी स्तर पर प्रशासनिक कमियों को दूर करना जैसी अनेक चुनौतियां आज भी मौजूद हैं, जिन पर निरंतर बात होनी चाहिए। परंतु, जब इन सब चुनौतियों के बीच नेतृत्व की विश्वसनीयता का मूल्यांकन होता है, तो नरेंद्र मोदी का पलड़ा भारी दिखाई देता है।

एक पत्रकार या लेखक जब मंच के सामने खड़े होकर जनसमूह को देखता,परखता है, तो वह केवल राजनेता का भाषण नोट नहीं करता, बल्कि जनता के चेहरों के भाव पढ़ता है। इन बारह वर्षों में मेरे द्वारा कवर की गई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विभिन्न सभाओं और कार्यक्रमों में मैंने एक बहुत ही स्पष्ट सामाजिक और मनोवैज्ञानिक बदलाव महसूस किया है। राजनीतिक रैलियों में अक्सर कोई एक वर्ग हावी होता है, लेकिन मोदी की सभाओं में मैंने एक अलग ही समागम देखा है। जहाँ एक ओर 18-20 वर्ष का युवा उनके डिजिटल इंडिया और तकनीकी विजन से प्रभावित होकर पूरे जोश में रहता है, वहीं दूसरी ओर साठ और सत्तर के दशक को देख चुका बुजुर्ग वर्ग उनमें देश का एक मजबूत और साहसी रक्षक देखता है।

डोंबीवली पिम्पलेश्वर मंदिर भाजपा और शिवसेना में श्रेय वाद

डोंबीवली (उत्तरशक्ति)। डोंबीवली में पिम्पलेश्वर मंदिर को MIDC द्वारा जगह आवंटित किए जाने के बाद अब इस मुद्दे पर राजनीतिक श्रेय लेने की होड़ शुरू हो गई है। मंदिर के लिए जमीन मंजूर होने के बाद शिवसेना और भाजपा आमने-सामने आ गई हैं और दोनों ही पार्टियां इस निर्णय का श्रेय खुद को दे रही हैं। शिवसेना नेताओं का दावा है कि उन्होंने लगातार प्रशासन और MIDC के समक्ष इस मुद्दे को उठाया, जनआंदोलन किया और मंदिर बचाने के लिए संघर्ष किया, जिसके चलते आखिरकार मंदिर के लिए जगह उपलब्ध कराई गई। वहीं भाजपा नेताओं का कहना है कि राज्य सरकार और संबंधित विभागों के साथ लगातार फॉलोअप कर भाजपा ने इस मामले को अंजाम तक पहुंचाया। मंदिर परिसर और स्थानीय नागरिकों के बीच इस फैसले का स्वागत किया जा रहा है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसे लेकर श्रेयवाद तेज हो गया है। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्टरबाजी और बयानबाजी भी शुरू हो गई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मंदिर को जगह मिलना सबसे बड़ी बात है और राजनीतिक दलों को श्रेय लेने की बजाय विकास कार्यों पर ध्यान देना चाहिए।

सैमसंग ने 2026 विजन एआई टीवी लाइनअप पेश किया

मुंबई। सैमसंग इंडिया ने आज अपने पूरे 2026 विजन एआई टीवी लाइनअप के लॉन्च की घोषणा की, जिसमें माइक्रो आरजीबी, ओएलईडी, नियो क्यूएलईडी, द फ्रेम, मिनी एलईडी और यूएचडी टीवी शामिल हैं। इस लॉन्च के साथ सैमसंग अपने सभी मॉडलों में एआई-पावर्ड फीचर्स का विस्तार कर रहा है, जिससे भारत में ज्यादा उपभोक्ताओं को बेहतर तस्वीर, बेहतर साउंड और ज्यादा पर्सनलाइज्ड देखने का अनुभव मिलेगा। सैमसंग लगातार 20 वर्षों से दुनिया का नंबर 1 टीवी ब्रांड बना हुआ है।

सैमसंग के 4K और उससे ऊपर के टीवी लाइनअप में विजन एआई कंपेनियन (वीएसी) फीचर्स का यह विस्तार इस बात को दिखाता है कि कंपनी टीवी अनुभव में एआई को केंद्र में रखने पर जोर दे रही है। इसके जरिए एआई-पावर्ड देखने का अनुभव अब ज्यादा कैटेगरी, अलग-अलग स्क्रीन साइज और उपभोक्ताओं की जरूरतों तक पहुंच रहा है। सैमसंग इंडिया के विजुअल डिस्प्ले बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट विप्लेश डांग ने कहा, हमारे नए विजन एआई टीवी स्थानीय कंटेंट प्लेटफॉर्म्स के साथ बिना किसी रुकावट के इंटीग्रेशन देते हैं, मल्टीलिंगुअल सपोर्ट को और बेहतर बनाते हैं और भारत के अलग-अलग घरों के माहौल के हिसाब से ऊर्जा-कुशल समाधान पेश करते हैं। यह एआई टीवी लाइनअप फिल्मों, स्पोर्ट्स और गेमिंग के लिए एआई से संचालित बेहतरीन एंटरटेनमेंट फीचर्स लेकर आता है।

मराठी फिल्म 'जनक' की शूटिंग महज १९ दिनों में पूरी

मुंबई। पिछले कुछ वर्षों में मराठी सिनेमा ने अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है और वैश्विक स्तर पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। इस समृद्ध और विषय-प्रधान सिनेमा से आकर्षित होकर बॉलीवुड के कई जाने-माने कलाकार और फिल्म निर्माता मराठी फिल्म उद्योग की ओर रुख कर रहे हैं। इसी क्रम में, बॉलीवुड के दिग्गज फिल्म निर्माता और निर्देशक के. पप्पू के सुपुत्र तथा प्रख्यात निर्देशक व निमार्ता राज कंवर के भतीजे, अभिषेक कंवर एक बेहद सशक्त विषय के साथ फिल्म जगत में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने पारंपरिक रास्ते से हटकर अपने निर्देशन के सफर की शुरूआत बॉलीवुड के बजाय एक मराठी फिल्म से करने का निर्णय लिया है। उनकी आगामी मराठी फिल्म 'जनक' की शूटिंग हाल ही में पुणे और भोर की खूबसूरत वादियों में महज १९ दिनों के रिकॉर्ड समय में पूरी कर ली गई।

'आरटीबी फिल्म्स' के बैनर तले निर्मित फिल्म 'जनक' के माध्यम से अभिषेक कंवर निमार्ता और निर्देशक दोनों ही भूमिकाओं में मराठी फिल्म उद्योग में अपना भव्य पदार्पण कर रहे हैं। त्रिलोक सिंह राजपूत ने इस फिल्म के सह-निमार्ता के रूप में जिम्मेदारी निभाई है। फिल्म में सायली संजीव, अविनाश नारकर, अनुष्का मनीष पिंपुटकर और सुरेश विश्वकर्मा जैसे दिग्गज कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की पटकथा ओंकार भस्मे, अभिषेक कंवर और राकेश नामदेव शिर्के ने मिलकर लिखी है। सटीक नियोजन, बेहतरीन तालमेल और पूरी टीम की दिन-रात की कड़ी मेहनत के बदौलत केवल १९ दिनों में पूरी फिल्म की शूटिंग संपन्न करने का यह अद्भुत कीर्तिमान स्थापित किया गया है। इस अवसर पर बात करते हुए अभिषेक कंवर ने कहा, निर्देशक के तौर पर अपने सफर की शुरूआत के लिए मेरे पास बॉलीवुड के शीर्ष कलाकारों को लेकर बड़े बजट की हिंदी फिल्म निर्देशित करने का अवसर था। लेकिन, जब 'जनक' की कहानी मेरे पास आई, तो मुझे तुरंत आभास हो गया था कि मुझे इसी कहानी को चुनना है और अपनी यात्रा मराठी सिनेमा से ही शुरू करनी है। मुझे पूरा विश्वास था कि यह कथानक मराठी भाषा और संस्कृति के परिवेश में अधिक प्रभावशाली, सजीव और वास्तविक लगेगा।

गोदरेज फाउंडेशन की नई पहल भारत की उभरती प्रतिभाओं को तराशने के लिए : लॉन्च किया 'टुमारो मेकर्स'

मुंबई/पटना। स्वतंत्र परोपकारी ट्रस्ट गोदरेज फाउंडेशन ने आज 'टुमारो मेकर्स' को लॉन्च करने की घोषणा की। यह एक राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म है जिसे वंचित पृष्ठभूमि के होनहार और उच्च क्षमता वाले छात्रों की पहचान करने और उन्हें सहायता प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है।'टुमारो मेकर्स' इस विश्वास पर आधारित है कि भारत में प्रतिभा हर जगह है, लेकिन अवसरों तक पहुँच सबकी एक जैसी नहीं है। यह मंच कक्षा 6 से 12वीं तक के छात्रों के साथ-साथ स्नातकों (ग्रैजुएट्स) में से होनहार युवाओं की पहचान करेगा। इसके बाद, यह उन्हें ऐसे संगठनों, शिक्षकों, मेंटर्स (मार्गदर्शकों), प्रतियोगिताओं और साथी समुदायों से जोड़ेगा जो उनकी प्रतिभा को निखारने और उनके सपनों को सच करने में मदद कर सकें। आठ साझेदार संगठनों द्वारा संचालित कार्यक्रमों के माध्यम से टुमॉरो मेकर्स अलग-अलग आयु वर्ग के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए चार प्रमुख क्षेत्र उपलब्ध कराएगा झ्र एसटीईएम , आविष्कार एवं निर्माण, कला और रक्षा।

घाटकोपर में युवाओं को शिक्षा, उद्योग और आत्मविकास की प्रेरणा के लिए तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रम का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सद्गुरु भगवान श्री वालराम प्राकट्य शताब्दी महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री कच्छी भानुशाली सेवा समाज ट्रस्ट प्रेरित तथा मातृश्री वीरबाई देयातभाई जेरामभाई नंदा बिट्टावाला परिवार द्वारा आयोजित भानु नवचेतना अभियान के अंतर्गत तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रम का आयोजन घाटकोपर पूर्व स्थित भानुशाली बैंक्वेट हॉल में उत्साहपूर्वक किया गया।

समाज के युवाओं में शिक्षा, करियर, उद्योग तथा आत्मविकास के प्रति जागरूकता लाना तथा समाज में एकता, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का विकास करना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य रहा। कार्यक्रम में देशभर से विद्यार्थी, युवा, अभिभावक तथा समाज के अग्रणी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अभियान के प्रथम दिन 24 मई को करियर गाइडेंस सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों को शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, नई करियर संभावनाओं तथा भविष्य के रोजगार क्षेत्रों के बारे में विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। उल्लेखनीय है कि श्री कच्छी भानुशाली सेवा समाज ट्रस्ट द्वारा पिछले 17 वर्षों से लगातार करियर गाइडेंस सेमिनार का आयोजन किया

जा रहा है, जिसके माध्यम से हजारों युवाओं को मार्गदर्शन और प्रेरणा प्राप्त हो रही है। दूसरे दिन 25 मई को विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित उद्योगों की विजिट आयोजित की गई। इसमें Cipla से संबंधित जय प्रिसिजन फार्मास्युटिकल प्रा. लि., Amul डेयरी, Johnson & Johnson तथा Magnum जैसे उद्योगों का समावेश किया गया। विद्यार्थियों ने उत्पादन प्रक्रिया, आधुनिक तकनीक, औद्योगिक प्रबंधन तथा व्यावसायिक कार्यप्रणाली के बारे में प्रायोगिक जानकारी प्राप्त कर उद्योग जगत का नजदीक से अनुभव किया। अभियान के तीसरे दिन 26 मई को शैक्षणिक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रसिद्ध उद्योगपति, इन्वेस्टर एवं पॉडकास्टर जय ठाडेश्वर ने युवाओं को सफल जीवन के लिए आवश्यक सकारात्मक सोच, करियर ग्रोथ, उद्यमिता तथा भविष्य की संभावनाओं के विषय में प्रेरणादायक मार्गदर्शन दिया। शाम 7 बजे के बाद सद्गुरु भगवान ओधवराम की स्मृति में भव्य संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें भजन सम्राट कीर्तिदान गढ़वी, राजभा गढ़वी तथा राज गढ़वी द्वारा भजन एवं लोकसंगीत की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के दौरान हजारों लोग भक्तिभाव के साथ झूम उठे। इस कार्यक्रम में श्री कच्छी भानुशाली सेवा समाज ट्रस्ट के ट्रस्टी शंभुभाई माव, वल्लभभाई भद्रा, मोहनभाई दामा, अध्यक्ष डॉ. हर्षदभाई मंगे, महामंत्री कैलाशभाई गजरा, ट्रस्टी हरीशभाई शिया, दिनेशभाई चंद्रा, दामजीभाई हुरबडा, अशोकभाई भद्रा, भावेशभाई मंगे, उपाध्यक्ष रणछोड़ भाई नंदा, राजेशभाई जोयसार तथा कार्यक्रम के यजमान देवजीभाई देयातभाई नंदा सहित संस्था के सभी समिति सदस्य उपस्थित रहे।

स्वच्छता के मद्देनजर भिवंडी पूर्व विधानसभा के विधायक रईस शेख ने भिवंडी मनपा को दिए 830 डस्टबिन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। बकरीद के अवसर पर शहर में स्वच्छता बनाए रखने के उद्देश्य से विधायक रईस शेख द्वारा एहतेसाब फाउंडेशन के माध्यम से 10 हजार पॉलीथिन बैग 56 कुबार्नी सेंटरों पर वितरण के लिए नगरसेवकों को उपलब्ध कराए गए। इसका उद्देश्य कुबार्नी के बाद निकलने वाले अपशिष्ट को इधर-उधर फेंकने से रोकना और शहर को स्वच्छ बनाए रखना है।इसके साथ ही विधायक रईस शेख ने अपने स्थानीय विकास निधि से 30 लाख रुपये खर्च कर खरीदे गए 830 डस्टबिन भिवंडी महानगरपालिका को वितरित किए। इस अवसर पर उपमहापौर तारिक मोमिन, हसनैन फारूखी, प्रशांत लाड, फराज बहाउद्दीन, रोहिदास वाघमारे, जावेद अंसारी, जुबेर शेख सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे।विधायक रईस शेख ने कहा कि बकरी ईद धार्मिक आस्था का पर्व है और इसे मनाते समय अन्य धर्मों की भावनाओं का भी सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में पालिका प्रशासन का सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि कचरे को सही तरीके से एकत्रित कर घंटागाड़ी में ही डालें।

पालघर में पीएम मोदी और सनातन विरोधी पोस्ट से भड़का बजरंग दल, आरोपी को पकड़कर पुलिस को सौंपा

पालघर(उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री और सनातन धर्म के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक व भड़काऊ पोस्ट वायरल होने के बाद पालघर में माहौल गरमा गया। बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकताओं ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मामले को लेकर पालघर पुलिस स्टेशन में हंगामे जैसा माहौल बना रहा और बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उमरोली पूर्व स्थित पारसनाथ नगरी निवासी हरिशंकर शेषनारायण जैसवाल पर आरोप है कि उसने सोशल मीडिया पर एआई तकनीक का इस्तेमाल कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आपत्तिजनक वीडियो तैयार कर प्रसारित किया। वीडियो के साथ की गई टिप्पणियों को लेकर बजरंग दल और

विहिप कार्यकताओं में भारी नाराजगी फैल गई। आरोप है कि आरोपी ने गौमाताओं की तस्वीरों के साथ भी भड़काऊ टिप्पणियां पोस्ट कर सामाजिक और धार्मिक भावनाएं भड़काने का प्रयास किया। विहिप नेता मुकेश दुबे की शिकायत पर पालघर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत में कहा गया है कि आरोपी लगातार सनातन विरोधी और समाज में वैमनस्य फैलाने वाली पोस्ट करता रहा है, इसलिए उसके सोशल मीडिया नेटवर्क और संपर्कों की भी गहन जांच होनी चाहिए। विहिप के विभाग मंत्री चंदन सिंह ने कहा, पुलिस प्रशासन आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। विहिप नेता प्रमुख मुकेश दुबे ने कहा, सनातन धर्म, देश और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ सुनियोजित तरीके से आपत्तिजनक सामग्री फैलाकर समाज का माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। ऐसे लोगों पर कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई इस तरह की हरकत करने का साहस न कर सके। मुकेश दुबे ने कहा कि सोशल मीडिया पर भड़काऊ और आपत्तिजनक पोस्ट डालकर समाज में तनाव फैलाने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जायेगा। इस दौरान एडवोकेट शिवम दुबे ने भी बजरंग दल की ओर से न्यायालय में पक्ष रखा। जिला मंत्री जयेश घरत, श्रीपद पाटील, काचू शेट्टी, विजय शेट्टी, रोहित शुक्ला, आकाश नारखेड़े, दिलीप जोशी, रोबिन सिंह, प्रभात ठाकुर, शांतिलाल सुथार और सचिन चौधरी समेत बड़ी संख्या में बजरंग दल और विहिप कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कल्याण पूर्व में गुरचरण जमीन पर कब्जे की कोशिश, करोडों की जगह पर भूमाफियाओं की नजर

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के शंकर पावशे रोड स्थित साईबाबा रिक्शा स्टैंड के सामने मौजूद गुरचरण जमीन पर भूमाफियाओं द्वारा कब्जा करने की साजिश का मामला सामने आया है। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया है कि सड़क किनारे स्थित करोड़ों रुपये मूल्य की इस जमीन पर अवैध निर्माण कर दुकानों और व्यावसायिक गालों का निर्माण किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह पूरा मामला कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के ड प्रभात क्षेत्र कार्यालय के अंतर्गत आता है। आरोप है कि बिना आवश्यक अनुमति के तेजी से निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी फैल गई है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि भूमाफियाओं द्वारा सरकारी और गुरचरण जमीनों पर कब्जा करने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। लोगों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई कर अवैध निर्माण रोकने और जमीन की जांच कराने की मांग की है। वहीं, इस मामले को लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा।

ग्राम पंचायतों को सख्त निर्देश : घनकचरा प्रबंधन नियमों का करें कड़ाई से पालन

सीईओ मनोज रानडे का आह्वान, कचरा पृथक्करण व स्वच्छता व्यवस्था पर रहेगा विशेष जोर

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा लागू किये गये घनकचरा प्रबंधन अधिनियम 2026 के तहत अब राज्यभर की ग्राम पंचायतों को कचरा प्रबंधन नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। पालघर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने जिले की सभी ग्राम पंचायतों से इन नियमों को प्रभावी रूप से लागू करने की अपील की है।

1 अप्रैल 2026 से लागू हुए नये नियमों के अनुसार घरों, कार्यालयों, संस्थाओं और दुकानों में कचरे का स्रोत स्तर पर ही चार श्रेणियों – गीला, सूखा, सैनिटरी (जैविक) और विशेष देखभाल वाले कचरे में वर्गीकरण अनिवार्य किया गया है। सरकार ने नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिलाधिकारियों को विशेष अधिकार प्रदान किये हैं। नियमों का उल्लंघन करने वाली संस्थाओं और स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश भी जारी किये गये हैं। बताया गया कि 5 मई 2026 को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गये आदेश के बाद राज्य सरकार, जिलाधिकारी, महानगरपालिका, नगरपालिका और ग्राम पंचायतों की जिम्मेदारियां तय की गई हैं। इसके तहत स्थानीय निकायों को आवश्यक जानकारी जुटाने के लिए चार प्रकार के फॉर्म भरने होंगे तथा पर्यटन और धार्मिक स्थलों पर विशेष स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।

नये नियमों में कचरा संकलन प्रणाली, बल्क वेस्ट जनरेटर्स का पंजीकरण, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन यूनिट, कचरा परिवहन व्यवस्था और वर्गीकरण केंद्रों की स्थापना पर विशेष जोर दिया गया है। साथ ही पुराने कचरा ढेरों को समाप्त करने को भी प्राथमिकता दी जायेगी। ग्राम पंचायतों को अपने ग्राम विकास आराखड़े में घनकचरा प्रबंधन शामिल करना अनिवार्य होगा। पंचायत स्तर पर एकत्रित गीले कचरे से कंपोस्ट खाद तैयार करने तथा सूखे कचरे को संबंधित प्रसंस्करण इकाइयों तक भेजने के निर्देश दिए गये हैं।

जिला परिषद प्रशासन के अनुसार इन उपायों से नागरिकों के स्वास्थ्य पर कचरे के दुष्प्रभाव कम करने में मदद मिलेगी। इस पूरे अभियान की निगरानी पानी एवं स्वच्छता विभाग के उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल पारसकर द्वारा की जा रही है।

उत्तर भारतीय समाज ने किया परिवहन समिति सभापति का सम्मान

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर के प्रतिष्ठित उत्तर भारतीय समाज के गणमान्यो द्वारा मीरा भायंदर महानगर पालिका मे परिवहन समिति सभापति बनाये जाने पर एड राजकुमार मिश्रा का सम्मान किया। वरिष्ठ समाज सेवक रत्नाकर मिश्रा के इंद्रलोक स्थित निज निवास पर आयोजित सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ! परिवहन समिति सभापति बनाये जाने पर एड राजकुमार मिश्रा ने कहा की सर्वप्रथम महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण एवं विधायक नरेंद्र मेहता का आभार व्यक्त करते हुए कहा की उपरोक्त पद की गरिमा बनाये रखना मेरा दायित्व बनता है जिसका मै निर्वहन करूँगा! भाजपा मीरा भाईंदर जिला महामंत्री बृजेश

तिवारी ने कहा की भाजपा ऐसी पार्टी है जो अपने कर्मठ कार्यकताओं को पार्टी के प्रति वफादारी को ध्यान मे रखते हुए उन्हें पद देती हैजिसका एड राजकुमार मिश्रा एक उदाहरण हैं! भाजपा (उभामो) जिला महामंत्री मीरा भाईंदर एवं वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र पाण्डेय ने कहा की एड राजकुमार मिश्रा को उपरोक्त पद मिलने पर उत्तर भारतीयों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है! उपरोक्त सम्मान के कार्यक्रम में वरिष्ठ समाज सेवी रत्नाकर मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार शिवपुजन पाण्डेय भाजपा जिला महामंत्री बृजेश तिवारी, भाजपा (उभामो) जिला महामंत्री महेंद्र पाण्डेय, महामंत्री कमलेश दुबे, समाज सेवक संदीप तिवारी, स्वामी पाण्डेय, मनीष मिश्रा, विजय दुबे उपस्थित रहें।

स्तन कैंसर के बढ़ते मामलों के खिलाफ यूई लाइफसाइंसेज की तकनीकें बनीं मददगार

मुंबई। देशभर में कैंसर के मामलों में लगातार हो रही वृद्धि, विशेषकर महिलाओं में स्तन कैंसर के तेजी से बढ़ते ग्राफ को देखते हुए समय पर जांच और शुरूआती पहचान ही सबसे प्रभावी समाधान बनकर उभरा है। विशेषज्ञों के अनुसार, बड़ी संख्या में मामलों का पता देर से चलने के कारण उपचार कठिन हो जाता है। इस गंभीर चुनौती से निपटने और राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम को सशक्त बनाने में प्रमुख हेल्थ-टेक कंपनी यूई लाइफसाइंसेज की नवोन्मेषी तकनीकें अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सरकार की महात्वाकांक्षी 'RÔKSA' पहल के तहत, यूई लाइफसाइंसेज द्वारा विकसित की गई पोर्टेबल, किफायती और अत्याधुनिक तकनीकों के माध्यम से कैंसर स्क्रीनिंग को तेज, सुलभ और व्यापक बनाया जा रहा है। वर्तमान में, कंपनी के नवोन्मेषी 'iBreastExam' डिवाइस के जरिए महाराष्ट्र के 22 सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसके तहत अब तक 1 लाख से अधिक महिलाओं की सुरक्षित और सफल जांच की जा चुकी है।

यूई लाइफसाइंसेज का 'iBreastExam' डिवाइस पूरी तरह से रेडिएशन-फ्री, दर्द रहित और नॉन-इनवेसिव (बिना किसी चीर-फाड़ के) है, जो महज कुछ ही मिनटों में स्तन की जांच पूरी कर देता है। महाराष्ट्र में इस तकनीक की प्रभावशीलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जांच के दौरान हजारों महिलाओं में शुरूआती असामान्यताओं की समय रहते पहचान की गई, जिन्हें आगे के उपचार के लिए रेफर किया गया।

मुंबई के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों जैसे- सेंट जॉर्ज हॉस्पिटल, गोकुलदास तेजपाल अस्पताल, कमा एंड अल्ब्लेस हॉस्पिटल और ग्रांट मेडिकल कॉलेज सहित राज्य के कई अन्य जिलों जैसे नांदेड़, अकोला, औरंगाबाद, जलगांव, नागपुर, बारामती, कोल्हापुर, धुले, यवतमाल, चंद्रपुर, सोलापुर, गोंदिया, अंबाजोगाई, पुणे (बीजे मेडिकल कॉलेज/ससून हॉस्पिटल), लातूर, सांगली और सतारा के सरकारी अस्पतालों में यह स्क्रीनिंग कार्यक्रम सक्रिय रूप से संचालित किया जा रहा है। यूई लाइफसाइंसेस की इंडिया सीईओ गौरी नवलकर-गोडसे ने बताया कि महिलाओं का स्वास्थ्य अब और अधिक समय तक देर से होने वाली प्रतिक्रियाओं और विलंबित निदान (देरी से बीमारी का पता चलने) पर निर्भर नहीं रह सकता।

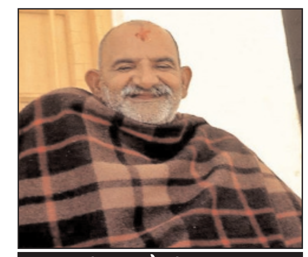

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

सोनभद्र में अनियंत्रित पिकअप बाइक को टक्कर मार ट्रैक्टर ट्रॉली से भिड़ी, दो की मौत

मधुपुर–नौगढ़ मार्ग पर हुए हादसे में तीन लोग घायल

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। मधुपुर-नौगढ़ मार्ग पर बीती रात हुए भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला और उसकी चार वर्षीय पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसा सोनभद्र-चंदौली सीमा के पास जरलहवा बस्ती के समीप रात करीब साढ़े नौ बजे हुआ, जब तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने पहले एक बाइक को टक्कर मारी और फिर आगे जाकर ट्रैक्टर-ट्रॉली से भिड़ गया।

जानकारी के अनुसार, रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के लोहरा गांव निवासी विजय अपनी पत्नी ममता (25) और चार वर्षीय पुत्री मिठ्ठी के साथ बाइक से जा रहे थे। मधुपुर क्षेत्र की जरलहवा बस्ती के पास विजय बाइक खड़ी कर सड़क किनारे स्थित गुमटी से पानी लेने गए थे। इसी दौरान तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक के पास खड़ी ममता और उनकी मासूम पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तत्काल मधुपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक को टक्कर मारने के बाद पिकअप अनियंत्रित हो गई और कुछ दूरी पर आगे चल रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा भिड़ी। ट्रॉली में मधुपुर की झपरी बस्ती से खपरैल लादकर लोग वापस डुमरिया गांव लौट रहे थे। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रॉली पर सवार नौगढ़ थाना क्षेत्र के डुमरिया गांव निवासी नग्गू राम (60) पुत्र चेखरी तथा रामलखन (60) पुत्र स्वर्गीय बसंतू ट्रॉली के नीचे दब गए। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में विजय और मटरू नामक व्यक्ति को मामूली चोटें आई हैं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने पिकअप वाहन को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सहायक आचार्य भर्ती परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा

सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा एवं मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 परमानंद झा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित सहायक आचार्य, राजकीय (प्रा.) परीक्षा-2025 को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के संबंध में बुधवार सायं बैठक आयोजित की गई। परीक्षा 31 मई 2026 (रविवार) को जनपद के 14 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी।

बैठक में परीक्षा की तैयारियों, कानून व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, परीक्षा केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं एवं मजिस्ट्रेट ड्यूटी सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में अपर जिलाधिकारी ने परीक्षा के सफल आयोजन हेतु सभी विभाग को आपसी समन्वय एवं गंभीरता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा की शुचिता एवं गोपनीयता बनाए रखने में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ करें ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ सम्पन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, विद्युत आपूर्ति, स्वच्छ शौचालय, सीसीटीवी कैमरा, प्रकाश व्यवस्था एवं बैठने की समुचित व्यवस्था की समीक्षा की गई। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी परीक्षा केंद्रों का पूर्व निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करा ली जाएं। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षार्थियों के लिए पेयजल एवं प्राथमिक उपचार की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

बैठक में तैनात मजिस्ट्रेटों को उनके दायित्वों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि सभी सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट परीक्षा अवधि के दौरान अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहें तथा किसी भी समस्या की सूचना तत्काल कंट्रोल रूम को उपलब्ध कराएं। उन्होंने परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराने हेतु अधिकारियों को सजग एवं सक्रिय रहने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, वितरण व्यवस्था, कंट्रोल रूम संचालन एवं परीक्षा केंद्रों पर निगरानी व्यवस्था के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप परीक्षा को पूरी पारदर्शिता एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारीगण, क्षेत्राधिकारी, पुलिस विभाग के अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, शिक्षा विभाग के अधिकारी, परिवहन विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दोस्त बना हैवान! स्विमिंग पूल में डुबोकर युवक की हत्या, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक युवक ने अपने ही दोस्त की स्विमिंग पूल में डुबोकर हत्या कर दी। यह पूरी वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

जानकारी के अनुसार नखासा थाना क्षेत्र के पीपली रहमापुर मिलक निवासी 18 वर्षीय सोहिल अपने दोस्तों के साथ स्विमिंग पूल में नहाने गया था। इसी दौरान गांव के ही एक युवक ने उसे पानी में जबरन डुबो दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

परिजनों को शुरूआत में लगा कि सोहिल की मौत हादसे में हुई है, क्योंकि उसे तैरना आता था। लेकिन जब परिवार ने स्विमिंग पूल का सीसीटीवी फुटेज देखा तो हत्या की सनसनीखेज सच्चाई सामने आ गई। फुटेज में युवक को सोहिल को पानी में दबाकर डुबोते हुए देखा गया।

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही नखासा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी कुलदीप सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। साथ ही अवैध रूप से संचालित स्विमिंग पूल की भी जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

अखिलेश यादव का भाजपा सरकार पर हमला, बोले– फर्जी एनकाउंटर से डराया जा रहा पीडीए

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में हो रहे एनकाउंटरों को लेकर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में फर्जी एनकाउंटर किए जा रहे हैं और इनके जरिए सरकार अपनी नाकामी छिपाकर वाहवाही लूटने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि फर्जी एनकाउंटर करने वाले खुद गुनहगार हैं।

सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि फर्जी एनकाउंटर के बहाने ढउ्अ समाज को डराने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जाति और धर्म देखकर एनकाउंटर करवा रही है और पीडीए का हक मारना चाहती है। उन्होंने कहा कि फर्जी एनकाउंटर नाकाम सरकार की पहचान बन चुके हैं। इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है।

प्रतिबंधित दोहरा कारोबार पर प्रशासन कब करेगा बड़ी कार्रवाई

छोटे दुकानदारों पर कार्रवाई, बड़े कारोबारी अब भी बेखौफ

प्रियेश गुप्ता रुद्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर क्षेत्र में प्रतिबंधित दोहरे का कारोबार लगातार फल-फूल रहा है। प्रशासन की ओर से समय-समय पर कार्रवाई किए जाने के बावजूद बड़े कारोबारी अब भी खुलेआम इस अवैध धंधे को संचालित कर रहे हैं।

कुछ दिन पूर्व जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य विभाग और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने शहर के कई इलाकों में छापेमारी कर छोटे दुकानदारों पर कार्रवाई की थी। हालांकि कार्रवाई के बाद भी बड़े स्तर पर दोहरा बनाने और सप्लाई करने वाले कारोबारी बेखौफ नजर आ रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार शहर के शकरमंडी, बेगमगंज चुंगी, जेसीज चौराहा, कलेक्ट्री-कचहरी क्षेत्र, एसपी कार्यालय के पीछे सहित कई स्थानों पर प्रतिबंधित दोहरे का निर्माण और बिक्री धड़ल्ले से जारी है। बताया जा रहा है कि यहां से शहर के अलग-अलग हिस्सों में सप्लाई भी की जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की कार्रवाई केवल छोटे दुकानदारों तक सीमित रह जाती है, जबकि इस कारोबार के बड़े चेहरे अब तक कार्रवाई से दूर हैं। लोगों ने मांग की है कि दोहरा बनाने वाले मुख्य कारोबारी और सप्लाई नेटवर्क पर भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि प्रतिबंध का असर जमीन पर दिखाई दे सके। अब देखना यह होगा कि प्रशासन बड़े कारोबारियों पर कब शिकंजा कसता है और इस अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक कब लगती है।

कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सपा के पोस्टरवार पर किया पलटवार, कहा– हत्यारों का भी नाम लिखें

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी ऑफिस के बाहर एक पोस्टर लगाया गया है। जिसमें 2024 से लेकर 2026 तक राजभर समाज के लोगों की हत्याओं का जिक्र है। वहीं, इस पोस्टर पर योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुभासपा चीफ ओम प्रकाश ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि इन हत्याओं के कातिलों का नाम भी लिखना चाहिए। जो ज्यादातर यादव हैं। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख ओम प्रकाश ने इस पोस्टर पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए बोला, 'हत्या करने वाला कौन है, यह भी दिखाना चाहिए। बाराबंकी में दिनदहाड़े राजभर समाज के व्यक्ति की हत्या हुई। अगर आरोपी यादव था, तो उसके आगे यह भी लिखना चाहिए कि हत्या किसने की। मऊ में राजभर समाज की बेटी की हत्या हुई, वहां भी आरोपी का नाम साफ-साफ लिखा जाना चाहिए। कौशांबी समेत जिन घटनाओं को पोस्टर में दिखाया गया है, उनमें हत्या करने वाला कौन था, यह भी बताना चाहिए। समाजवादी पार्टी के जो लोग यह बैनर लगा रहे हैं, उन्हें सिर्फ गिनती नहीं दिखानी चाहिए, बल्कि यह भी बताना चाहिए कि अपराध किसने किया। हर समाज में अच्छे और बुरे लोग होते हैं। बाराबंकी में एक गरीब युवक बर्फ बेच रहा था। किसी ने उससे आइसक्रीम मांगी। जब उसने पैसे मांगे, तो उसकी हत्या कर दी गई। अगर दम है, मर्द हो तो पोस्टर में यह भी लिखें कि हत्या किसने की थी?'

तिहाड़ जेल से पैरोल पर निकला कैदी, पुलिस सुरक्षा में हुआ निकाह

मेरठ (उत्तरशक्ति)। दिल्ली में 6 लोगों की हत्या के मामले में दोषी और तिहाड़ जेल में बंद कैदी वाजिद को 10 घंटे की पैरोल मिलने पर पुलिस सुरक्षा के बीच उसका निकाह कराया गया। जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह दिल्ली पुलिस की टीम वाजिद को लेकर मेरठ के दौराला क्षेत्र पहुंची। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे समोली गांव ले जाया गया, जहां सीमित रिश्तेदारों और चुनिंदा लोगों की मौजूदगी में यासमीन के साथ निकाह की रस्म संपन्न हुई। निकाह के दौरान पूरे कार्यक्रम पर पुलिस की कड़ी नजर रही और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिस निगरानी में शांतिपूर्ण तरीके से सभी रस्में पूरी कराई गईं। पैरोल पर कैदी के निकाह की यह घटना इलाके में दिनभर चर्चा का विषय बनी रही।

सहायक आचार्य भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट, 14 केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

जौनपुर में 31 मई को होगी सहायक आचार्य भर्ती परीक्षा, तैयारियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 31 मई को आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की सहायक आचार्य भर्ती परीक्षा-2025 को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था से लेकर परीक्षार्थियों की सुविधाओं तक सभी बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. के निर्देशन में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व परमानंद झा ने की। बैठक में बताया गया कि 31 मई रविवार को जनपद के 14 परीक्षा केंद्रों पर सहायक आचार्य, राजकीय (प्रा.) परीक्षा-2025 आयोजित की जाएगी। परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए कानून व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, मजिस्ट्रेट ड्यूटी और कंट्रोल रूम संचालन की समीक्षा की गई।

अपर जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा की शुचिता और गोपनीयता बनाए रखने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल और मजिस्ट्रेट की तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा

सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। बैठक में परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, बिजली, स्वच्छ शौचालय, सीसीटीवी कैमरे, प्रकाश व्यवस्था और बैठने की सुविधाओं की भी समीक्षा की गई। भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षार्थियों के लिए प्राथमिक उपचार और पेयजल की विशेष व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को सभी परीक्षा केंद्रों का पूर्व निरीक्षण कर व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कराने को कहा गया।

अपर जिलाधिकारी ने सेक्टर और स्टैटिक मजिस्ट्रेटों को परीक्षा अवधि के दौरान लगातार भ्रमणशील रहने तथा किसी भी समस्या की सूचना तत्काल कंट्रोल रूम को देने के निर्देश दिए। बैठक में प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, वितरण व्यवस्था और निगरानी प्रणाली को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

परमानंद झा– अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, प्रशासन का कहना है कि शासन की मंशा के अनुरूप परीक्षा को पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऐसे में सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

ग्रामीण पत्रकारों के रहनुमा थे बाबू बालेश्वर लाल: अजय अंबष्ट

पत्रकार सूचना एकत्रित करता है हम सूचनाओं पर काम करते है: देवेश सिंह

पत्रकारों ने ग्रापए के संस्थापक बालेश्वर लाल की मनायी 39वीं पुण्यतिथि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के संस्थापक बाबू बालेश्वर लाल की 39वीं पुण्यतिथि बुधवार को नगर के एक होटल में श्रद्धापूर्वक मनाई गई जहां उपस्थित पत्रकार बंधुओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये संस्थापक के प्रति स्वरांजलि दी। इस मौके पर उपस्थित कलमकारों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट ने कहा कि बालेश्वर लाल जी अपने निश्चय के धनी व्यक्ति थे। यदि किसी बात का विरोध कर लेते तो चाहे कुछ भी हो जाय, उससे हारने का नाम नहीं लेते थे और अनीति और अन्याय तो उन्हें किसी भी दशा में पसंद नहीं था। वह अपनी लेखनी के बल पर हमेशा अन्याय, अत्याचार और शोषण की नीति का विरोध करते रहे। ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकारों के गांव जाकर उन्हें संगठन से जुड़ने का आह्वान किया करते थे। वह बहुत भावुक और उदार प्रकृति के व्यक्ति थे। उनकी बातों का असर पत्रकारों पर तुरंत पड़ता था। वह पत्रकारों के असली रहनुमा थे। ऐसे महान व्यक्ति पर को मै अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हु

विशिष्ट अतिथि क्षेत्राधिकारी सदर देवेश सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के समाचार को प्रकाशित करने का दायित्व ग्रामीण क्षेत्रों के पत्रकारों के जिम्मे रहता है। प्रत्येक व्यक्ति के हृदय में संवेदनशीलता रहती है। मानव मन में बसी इस संवेदना को स्वाभाविक रूप से उदिप्त करने से सेवा की मानसिकता का निर्माण होता है। पत्रकार सूचना एकत्रित करता है हम सूचनाओं पर काम करते है।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा बाबू बालेश्वर लाल जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिलाध्यक्ष संजय अस्थाना ने आये हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए बाबू बालेश्वर लाल का जीवन परिचय बताया।संरक्षक डॉ राम सिंगार शुक्ल गदेला ने कहा कि बालेश्वर जी कहा करते थे कि अपना व्यवहार ही बड़े महत्व का है। अपने व्यवहार द्वारा असाध्य को साध्य किया जा सकता है। वह तो कार्य में प्राण फूंकने की संजीवनी है। यह हमारे दया भाव से नहीं, कर्तव्य भाव से हो, यही जीवन की दिशा है।

संरक्षक श्याम रतन श्रीवास्तव , जय आनन्द ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

महामंत्री लक्ष्मी नारायण मौर्या, विवेक श्रीवास्तव, आशीष पांडेय ने कहा कि बाबू जी एक जुझारू व्यक्तित्व के साथ कर्मठ पत्रकार भी थे। उपाध्यक्ष प्री. आशाराम एवं प्रमोद जायसवाल ने कहा कि पत्रकारिता क्षेत्र के प्रगति पर गर्व करते हुए उन्होंने पत्रकार की महत्वाकांक्षा का परिणाम बताया है। साथ ही आशा भी व्यक्त किया कि यदि उसकी यही प्रगति निर्बाध गति से जारी रही तो एक न एक दिन ग्रापए भारतवर्ष का सबसे बड़ा पत्रकार संगठन हो जाएगा। वरिष्ठ पत्रकार सर्वेश मिश्रा ने कहा कि व्यक्ति के पास यदि पुरुषार्थ विवेकशीलता, एकाग्रता है तो वह निश्चित ही पत्रकारिता के बगिया को सजाने एवं संवारने में समर्थ हो सकता है। उन्होंने पत्रकारों में राष्ट्र प्रेम भावात्मक एकता,राष्ट्रीय एकता लोक कल्याण की भावना मानव मूल्यों की स्थापना लेखनी की सत्यता प्रेम की भावना आदि का संदेश दिया है। मंडल उपाध्यक्ष दया शंकर निगम ने कहाकि बाबू जी दृढ़ इच्छा शक्ति के मजबूत व्यक्ति थे 1982 में अपने निवास स्थान गड़वार बलिया में अपने मात्र सात पत्रकार साथियों के साथ उन्होंने ग्रामीण पत्रकारिता की नींव रखी जो आज विशाल वट वृक्ष बन चुका है।

कार्यक्रम का संचालन संगठन मंत्री प्रशांत विक्रम सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ .ज्ञान प्रकाश सिंह, सुशील स्वामी राजेश श्रीवास्तव, राजेश मौर्य, विद्याधर राय विद्यार्थी, श्रमित सोनू उपाध्याय, बुद्धि प्रकाश तिवारी, संदीप राय अरशद अब्बास , मो. शारिक खान, आबिद इमाम, तबरेज नियाजी, मो.असलम, भोला विश्वकर्मा, बख्तियार आलम मेवा लाल यादव, गोरख सोनकर,रजनी सोनी,पंकज प्रजापति सहित तमाम पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

लुटेरी दुल्हन सोनाक्षी का एक और कारनामा आया सामने, चौथा मामला सहारनपुर से जुड़ा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुजफ्फरनगर कथित लुटेरी दुल्हन सोनाक्षी से जुड़ा एक और मामला सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। इस बार सहारनपुर के तल्हेडी निवासी एक पीड़ित परिवार न्याय की गुहार लेकर छपार थाने पहुंचा। पीड़ित परिवार का आरोप है कि 5 सितंबर 2025 को सोनाक्षी ने उनके यहां शादी की थी, लेकिन बाद में वह लाखों रुपये और सामान लेकर फरार हो गई। मामले के

सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि इससे पहले मुजफ्फरनगर के छपार थाना क्षेत्र, तितावी थाना क्षेत्र और सहारनपुर के देवबंद थाना क्षेत्र के साखन गांव से भी इसी तरह के मामले सामने आ चुके हैं। तल्हेडी का मामला सामने आने के बाद अब इस कथित लुटेरी दुल्हन से जुड़े मामलों की संख्या चार हो गई है। लगातार सामने आ रहे मामलों के बाद पुलिस पूरे नेटवर्क और संबंधित लोगों की भूमिका की जांच में जुट गई है।

जफराबाद चेयरमैन की पहल बनी मिसाल, भीषण गर्मी में लोगों तक पहुंचाया जा रहा ठंडा पानी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच नगर पंचायत जफराबाद चेयरमैन एवं उनके प्रतिनिधि डॉ. सरफराज खान लोगों के लिए राहत बनकर सामने आए हैं। नगर पंचायत की ओर से पानी की टंकी लगी गाड़ी के माध्यम से क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में घर-घर और राहगीरों तक ठंडा पानी पहुंचाया जा रहा है। गर्मी से परेशान लोगों को इस पहल से काफी राहत मिल रही है। सड़क पर चलने वाले राहगीरों से लेकर मोहल्लों में रहने वाले लोगों तक सभी को ठंडा पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। इस सेवा कार्य की क्षेत्र में जमकर सराहना हो रही है। इस अभियान का वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें पानी की टंकी लगी गाड़ी अलग-अलग क्षेत्रों में लोगों को पानी वितरित करती दिखाई दे रही है। स्थानीय लोगों ने इसे जनसेवा और मानवता की मिसाल बताया है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि भीषण गर्मी के दौर में इस तरह की पहल आम जनता के लिए बेहद राहतभरी और सराहनीय है।

विधायक रोहनिया डॉ.सुनील पटेल ने डूडा अधिकारी व पार्षदों के साथ की बैठक!

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के सर्किट हाउस में विधायक रोहनिया डॉ. सुनील पटेल के अध्यक्षता में रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के सभी वार्डों के पार्षदों एवं डूडा सचिव निधि वाजपेई के साथ बैठक कर रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के सभी वार्डों में हो रहे विकास कार्यों की समीक्षा किया।

रोहनिया में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत आवेदन कताओं का पार्षद गणों व सत्यापन समिति द्वारा जल्द से जल्द सत्यापन कर चयनित सभी लाभार्थियों की प्रथम किस्त

(धनराशि) अवमुक्त कराकर सभी लाभार्थियों का जल्द से जल्द आवास बनाने के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर कल्लू पहलवान, गोपाल पटेल, कमलेश पाल, सुरेश पटेल गुड्डू, श्रीप्रकाश कल्लू पटेल, रवींद्र सोनकर, राजेश कन्नौजिया, महेंद्र सिंह पटेल,श्याम भूषण शर्मा, अजय कुमार बिन्द आदि मौजूद रहे।

सेवा भारती के किशोरी विकास प्रशिक्षण वर्ग में बेटियों को सिखाई आत्मरक्षा और कानून की बारीकियां

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सेवा भारती समिति काशी प्रांत के तत्वावधान में जौनपुर जिला एवं विभाग द्वारा सिद्धिकपुर स्थित मां दुर्गा विद्यालय में आयोजित 'किशोरी विकास प्रशिक्षण वर्ग' में आज किशोरियों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के गुर सिखाए जा रहे हैं। गत 22 मई से जारी इस शिविर में किशोरियों को संस्कार, आत्मविश्वास और आत्म विकास के साथ-साथ कानूनी अधिकारों की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः वंदन के साथ क्षेत्र संयोजिका शारदा बहन, प्रांत महामंत्री जियुत राम, जौनपुर विभाग अध्यक्ष सेवा भारती डॉ तेज सिंह, वर्गाधिकारी डॉ. वंदना सरकार और मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता रश्मि सिंह (सदस्य, केंद्रीय टोली) की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। सभी अतिथियों और किशोरियों ने भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर सत्र की शुरूआत की।

शिविर के मुख्य सत्र को संबोधित करते हुए सेवा भारती किशोरी विकास केंद्रीय टोली की सदस्य व वरिष्ठ अधिवक्ता रश्मि सिंह ने किशोरियों को पाक्सो कानून के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि ₹18 वर्ष तक की किशोरियों के साथ यदि समाज के विकृत मानसिकता वाले लोगों द्वारा किसी भी तरह का शारीरिक या मानसिक शोषण किया जाता है, तो वे इस कानून के माध्यम से मुखर होकर विरोध दर्ज करा सकती हैं और अपना बचाव कर सकती हैं। समाज में कई ऐसे अपराधी होते हैं जो चेहरे से पहचान में नहीं आते, लेकिन उनके कुकृत्य बेटियों को आहत करते हैं। ऐसे तत्वों से डरने के बजाय कानून का सहारा लें।₹

उच्च न्यायालय लखनऊ खंडपीठ की अधिवक्ता रश्मि सिंह ने किशोरियों को विषम परिस्थितियों से निपटने के लिए पुलिस हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी और समाज के असामाजिक तत्वों से खुद को सुरक्षित रखने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित किया।

सेवा भारती के इस प्रशिक्षण शिविर में जौनपुर और आस-पास की किशोरियां अत्यंत उल्लास और ऊर्जा के साथ भाग ले रही हैं। शिविर का मुख्य उद्देश्य बेटियों में संस्कार के साथ-साथ आत्मरक्षा की भावना और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है, ताकि वे समाज में सिर उठाकर सुरक्षित जी सकें।

मेराकी डेवलपर्स ने इंडिया अभियान शुरू किया

मुंबई। एनारॉक ग्रुप के अनुसार भारतीय निवेशक दुबई में प्रॉपर्टी खरीदने वाले सबसे बड़े अंतर्राष्ट्रीय समूह बने हुए हैं, जो एमिरात में विदेशियों द्वारा खरीदी जाने वाली प्रॉपर्टी में लगभग 20 से 22 प्रतिशत का योगदान देते हैं। साल 2025 में रियल एस्टेट में 917 बिलियन ए.ई.डी (लगभग 2,400 करोड़ रुपये) के रिकॉर्ड लेन-देन के साथ दुबई लैंड डिपार्टमेंट, दुबई लगातार भारतीय निवेशकों को आकर्षित कर रहा है और उन्हें दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण, वैश्विक संपर्क तथा जीवनशैली पर आधारित प्रॉपर्टी का मालिक बनने के अवसर प्रदान कर रहा है। बाजार में दो दशकों से अधिक समय के अनुभव और 110 प्रोजेक्ट डिलीवर करने के अपने ट्रैक रिकॉर्ड के साथ वर्टिकली इंटीग्रेटेड डेवलपर एवं कॉन्ट्रैक्टर, मेराकी डेवलपर्स निवेशकों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए लुधियाना, चंडीगढ़, करनाल, सूरत और अहमदाबाद में एक मल्टी-सिटी इंडिया टूर शुरू कर रहा है, जिससे दुबई के रियल एस्टेट में भारतीय निवेशकों की बढ़ती रुचि प्रदर्शित होती है तथा क्वालिटी और प्रोजेक्ट डिलीवर करने की उनकी प्रतिष्ठा को बल मिलता है। इस अभियान के बाद इसका दूसरा चरण भारत के अन्य प्रमुख शहरों में शुरू होगा।

पत्रकारपुरम में विकास की दस्तक, नगर आयुक्त के दौरे से जगी नई उम्मीदें

वाराणसी। शहर की आवासीय कॉलोनियों को बेहतर बनाने की कवायद के बीच रविवार को गिलट बाजार स्थित पत्रकारपुरम कॉलोनी उस समय चर्चा का केंद्र बन गई, जब नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल अचानक कॉलोनी पहुंचे। बिना किसी औपचारिक कार्यक्रम के हुए इस दौरे ने स्थानीय पत्रकारों और निवासियों के बीच नई उम्मीद जगा दी। कॉलोनी की सड़कें, पार्क, पेयजल व्यवस्था और प्रवेश द्वार के सुंदरीकरण को लेकर लंबे समय से उठ रही मांगों पर नगर आयुक्त ने मौके पर पहुंचकर न सिर्फ हालात देखे बल्कि संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश भी दिए।

दोपहर के दौरान पत्रकारपुरम पहुंचे नगर आयुक्त ने स्थानीय लोगों के साथ कॉलोनी का पैदल भ्रमण किया और एक-एक कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कॉलोनी में रहने वाले पत्रकारों एवं अन्य नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। लोगों ने क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था, पार्कों की स्थिति, पेयजल संकट और सौंदर्यीकरण से जुड़ी मांगों को विस्तार से रखा। बैठक में कॉलोनी के विभिन्न हिस्सों में पर्याप्त संख्या में सोलर लाइट लगाने, पार्क की नियमित देखरेख सुनिश्चित करने, पानी के कंप्रेसर की क्षमता बढ़ाने और मुख्य प्रवेश द्वार को आकर्षक स्वरूप देने पर विस्तार से चर्चा हुई। लोगों ने सुझाव दिया कि गेट के आसपास रंगाई-पुताई के साथ कलात्मक डिजाइन विकसित की जाए, जिससे क्षेत्र को एक नई पहचान मिल सके।

स्थानीय लोगों की मांगों को गंभीरता से लेते हुए नगर आयुक्त ने मौके पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों से फोन पर वार्ता की और कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों को यह भी कहा गया कि कॉलोनी में जो समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं, उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल का यह दौरा पुरुषोत्तम चतुर्वेदी के आमंत्रण पर आयोजित हुआ। अपने व्यस्त प्रशासनिक कार्यक्रमों के बीच समय निकालकर कॉलोनी पहुंचने को लेकर स्थानीय लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की। लोगों का कहना था कि अक्सर समस्याएं फाइलों तक सीमित रह जाती हैं, लेकिन जब अधिकारी खुद मौके पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति देखते हैं तो समाधान की प्रक्रिया तेज हो जाती है।

कॉलोनी में मौजूद पत्रकारों और नागरिकों ने नगर आयुक्त की कार्यशैली की भी सराहना की। उनका कहना था कि उनकी संवेदनशील सोच, सहज व्यवहार और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता विकास कार्यों को नई गति देने का काम कर रही है। निरीक्षण के दौरान जितेंद्र श्रीवास्तव, रमेश राय, गिरीश दुबे, प्रदीप सिंह, डॉ. सुनील कुमार सोनकर, जगधारी, नरेंद्र यादव, राजा खान, विशाल सिंह, अवनीश उपाध्याय, अरुण कुमार सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं स्थानीय नागरिक

भागवत कथा श्रवण मात्र से सारे पाप धुल जाते हैं : डॉ. निशकांत ओझा

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। भागवत कथा का एक-एक शब्द अमृत के समान है, कथा श्रवण मात्र से घुल जाते हैं, सारे पाप मनुष्य को जीवन में एक बार भागवत कथा अवश्य सुननी चाहिए' कथा श्रवण से जहां सारे पाप कट जाते हैं, वहीं जीवन सफल हो जाता है। यह बातें बनी तरह मील स्थित गणेश कुमार सिंह के आवास पर आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के अवसर पर कथावाचक डॉ निशकांत ओझा ने कहा। कथावाचक श्री ओझा ने अपनी संगीत मयी कथा से श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया कथा सुनने के लिए भक्तों की भारी भीड़ जुटने लगी है। इस अवसर पर उन्होंने परीक्षित के जन्म का बहुत मार्मिक वर्णन करते हुए कहा कि कैसे भगवान जीवों की रक्षा के लिए पहुंच जाते हैं। राजा परीक्षित की कथा सुनकर श्रोता भाव विभोर हो गए। श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के मुख्य यजमान गणेश सिंह और उनकी धर्मपत्नी कांति सिंह हैं इस मौके पर समाजसेवी पंकज मिश्रा पूर्व जिला पंचायत सदस्य इसाफ बहादुर सिंह, महेंद्र सिंह, राजेश सिंह, रामानंद सिंह, विष्णु कुमार सिंह संजय सिंह, उदय राज तिवारी, राजेंद्र सिंह, धर्मेंद्र सिंह, राजदेव सिंह, प्रमोद सिंह, जमुना शर्मा, गंगा राम आदि क्षेत्रीय जन उपस्थित रहे।

सेगमेंट में पहली बार निसान ग्रेवाइट सीएनजी ने ट्विन-सिलेंडर रेट्रोफिटमेंट किट के साथ रखा कदम

नवी मुंबई। निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने आज ऑल-न्यू निसान ग्रेवाइट के लिए सरकार द्वारा प्रमाणित सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट लॉन्च करने का एलान किया। सेगमेंट में पहली बार स्मार्ट ट्विन-सिलेंडर टेक्नोलॉजी पेश की गई है, जिससे 7-सीटर मॉड्यूलैरिटी और यूजएबिलिटी दोनों बनाए रखने में मदद मिलेगी। इसे 16 राज्यों में 82,999 रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध कराया जा रहा है। ग्रेवाइट सीएनजी को इस तरह से डिजाइन किया गया है, जिससे ग्राहकों को ज्यादा स्मार्ट, ज्यादा किफायती और पर्यावरण के दृष्टिकोण से ज्यादा बेहतर समाधान मिलेगा। साथ ही इस किट के लगने के बाद भी तीसरी पंक्ति में पर्याप्त जगह रहेगी, जिससे कम्फर्ट और रोजाना की गतिविधियों की व्यावहारिकता बनी रहेगी।

व्यावहारिक और भविष्य को ध्यान में रखकर तैयार ग्रेवाइट सीएनजी में ह्यमार्ट पावर को स्मार्ट सेविंग्सह के साथ मिलाया गया है, जिससे बेहतरीन मॉड्यूलैरिटी, कम्फर्ट और रोजाना की गतिविधियों को बनाए रखने के साथ-साथ प्रति किलोमीटर पर कम खर्च होगा। सरकार द्वारा प्रमाणित इस सीएनजी किट को डेवलप करने, मैन्यूफैक्चर करने और क्वालिटी एश्योरेंस की जिम्मेदारी मोटोजेन ने संभाली है। ग्राहक निसान के अधिकृत डीलर के माध्यम से सीएनजी किट इंस्टॉलेशन के लिए ऑर्डर कर सकते हैं। इससे उन्हें बेहद सुविधाजनक और भरोसेमंद तरीके से सीएनजी सॉल्यूशन मिल सकेगा। किट कंपोनेंट्स पर थर्ड पार्टी प्रोवाइडर की तरफ से 3 साल / 1,00,000 किलोमीटर की वारंटी भी मिलेगी।

निसान एंड इन्फिनिटी के डिवीजनल वाइस प्रेसिडेंट एवं मिडल ईस्ट, केएसए, सीआईएस व भारत के प्रेसिडेंट थियरी सबाग ने कहा, ह्यभारत निसान के लिए लगातार रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है और हम यहां ग्राहकों की बदलती जरूरतों के अनुरूप प्रासंगिक, सुगम और भविष्य के लिए तैयार मोबिलिटी सॉल्यूशंस एवं प्रोडक्ट उपलब्ध कराने पर फोकस कर रहे हैं। ऑल-न्यू निसान ग्रेवाइट के साथ सीएनजी विकल्प की पेशकश इस दिशा में उल्लेखनीय कदम है। ग्रेवाइट सीएनजी के साथ हम ऐसे ग्राहकों को प्रमाणित एवं व्यावहारिक समाधान दे रहे हैं, जो परिवार के लिए भरपूर स्पेस, रोजाना की आवाजाही और प्रमुख सीएनजी मार्केट्स में कम लागत पर यात्रा का विकल्प चाहते हैं।

वाराणसी एयरपोर्ट पर सफाई कर्मियों का भारी हंगामा, नौकरी से निकाले जाने पर प्रबंधन के खिलाफ खोला मोर्चा

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (बाबतपुर) पर आज उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब करीब दो दर्जन सफाई कर्मियों ने एयरपोर्ट परिसर में अचानक विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। पिछले 15 से 20 वर्षों से लगातार सेवाएं दे रहे इन कर्मचारियों को अचानक नौकरी से मुक्त कर दिया गया है, जिससे नाराज होकर उन्होंने एयरपोर्ट प्रबंधन और संबंधित एजेंसी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना के सिर्फ इसलिए हटा दिया गया क्योंकि उनकी उम्र 45 वर्ष से अधिक हो चुकी है। आंदोलनकारी सफाई कर्मियों ने भावुक होते हुए कहा, हम अपनी जिंदगी के सुनहरे 15-20 साल इस एयरपोर्ट की सेवा में दे चुके हैं। अब इस उम्र में हम कहाँ जाएंगे? हमारे सामने परिवार के भरण-पोषण का संकट खड़ा हो गया है।इसके साथ ही कुछ कर्मचारियों ने बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें नौकरी पर वापस रखने के बदले में 30 से 35 हजार रुपये की अवैध मांग की जा रही है।इस पूरे मामले पर सफाई व्यवस्था का जिम्मा संभाल रही आउटसोर्सिंग एजेंसी (अरुण एविएशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड) के मैनेजर का पक्ष भी सामने आया है। प्रबंधन के अनुसार, पुराना टेंडर खत्म होने के बाद अब नए टेंडर के नियमों और शर्तों के तहत कार्य किया जा रहा है। नए दिशा-निर्देशों के मुताबिक, 45 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को काम पर रखने की अनुमति नहीं है।मामले को शांत कराने के लिए एजेंसी ने कर्मचारियों के सामने एक प्रस्ताव रखा है। प्रबंधन का कहना है कि यदि हटाए गए किसी कर्मचारी के परिवार में 18 से 45 वर्ष की आयु का कोई अन्य सदस्य (जैसे बेटा या बेटी) है, तो उसे उसकी जगह पर नौकरी दी जा सकती है।हालांकि, प्रदर्शनकारी कर्मचारी इस प्रस्ताव से संतुष्ट नहीं हैं और इसे अपने साथ अन्याय बता रहे हैं। समाचार लिखे जाने तक एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था चौकस है और सफाई कर्मियों का विरोध प्रदर्शन जारी है। कर्मचारी मांग कर रहे हैं कि उनकी सेवा वरिष्ठता को देखते हुए उन्हें तुरंत बहाल किया जाए।

अर्जेंटीना ने निकोटीन पर नया वैश्विक दृष्टिकोण अपनाया

मुंबई/नई दिल्ली, अर्जेंटीना में एक बड़े नीतिगत बदलाव के साथ ई-सिगरेट और हीटेड टोबैको प्रोडक्ट्स पर लगाया गया प्रतिबंध अप्रैल-मई, 2026 से हटा लिया गया है। इसके साथ ही अर्जेंटीना उन बढ़ते हुए देशों की सूची में शामिल हो गया है, जो प्रतिबंध की बजाय स्मार्ट और प्रमाण पर आधारित रैगुलेशन को अपना रहे हैं। भारत में तम्बाकू नियंत्रण के ढांचे पर अभी भी विचार चल रहा है, लेकिन इस नए परिवर्तन को नजरंदाज करना मुश्किल है।

अर्जेंटीना का यह फैसला चौंकाने वाला है। यहाँ पर 15 सालों से निकोटीन प्रोडक्ट्स के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा हुआ था, जिसके बाद ब्यूनस आयर्स ने इस कड़वी सच्चाई को स्वीकार किया कि प्रतिबंध से इन प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल में कोई कमी नहीं आई, बल्कि उनका उपयोग चोरी-छिपे होने लगा। जिसका नतीजा यह हुआ कि न तो इन प्रोडक्ट्स पर कोई क्वालिटी कंट्रोल रह गया, न ही इन्हें बेचने के लिए उम्र का वैरिफिकेशन किया जाता था और न ही इसे ट्रेस करने की कोई व्यवस्था थी। इसलिए इन प्रोडक्ट्स का कालाबाजार फलने-फूलने लगा। अब सरकार ने प्रतिबंध की जगह एक व्यापक रैगुलेटरी ढांचा अपनाया है। प्रोडक्ट का रजिस्ट्रेशन कराना और इसकी सामग्री की जानकारी देना अनिवार्य कर दिया गया है, तथा इसे ट्रेस करने की व्यवस्था लागू की गई है, ताकि अव्यस्कों को इन प्रोडक्ट्स की बिक्री रोकी जा सके। नीति में इस परिवर्तन के माध्यम से ब्यूनस आयर्स ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि कारगर नतीजे सीधे प्रतिबंध से नहीं, बल्कि जवाबदेही से मिलते हैं।

बांग्लादेश ने भी इसी राह पर आगे बढ़ते हुए अपना बाजार खोला और उस पर नियंत्रण लागू किया। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पारंपरिक रैगुलेशन का पालन करने वाले देश प्रतिबंध के विफल होने के बाद उपलब्धता को नियंत्रित करने की ओर बढ़ रहे हैं। डॉ. चंद्रकांत एस. पांडव, भूतपूर्व प्रोफेसर एवं हेड, कम्युनिटी मेडिसिन सेंटर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), नई दिल्ली ने कहा, नुकसान में कमी लाने का कॉन्सेप्ट पब्लिक हेल्थ के क्षेत्र में नया नहीं है। संक्रामक रोगों, नशे के सेवन और ऑक्युपेशनल मेडिसिन में इसका इस्तेमाल पहले से होता आया है। निकोटीन पॉलिसी के मामले में सवाल यह है कि क्या उम्र के वेरिफिकेशन, प्रोडक्ट रजिस्ट्रेशन और सामग्री की जानकारी देकर एक जोखिम-आधारित रेगुलेटरी मॉडल सीधे प्रतिबंध के मुकाबले बेहतर और ठोस परिणाम दे सकता है। डॉ. मोहसिन वली, सीनियर कंसलटैंट, फिजिशियन एवं कार्डियोलॉजिस्ट, सर गंगा राम हॉस्पिटल, नई दिल्ली ने कहा, विश्व में मिल रहे प्रमाणों को नजरअंदाज करना मुश्किल होता जा रहा है। भारत में फेफड़ों की बीमारियों का सबसे बड़ा और रोका जा सकने वाला कारण धूम्रपान है।

कपड़े की दुकान में आग से लाखों का माल जलकर राख

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र स्थित मानिक चैक पर एक कपड़े की थोक दुकान में आग लग गई। इस घटना में लगभग 25 लाख रुपये का तैयार माल जलकर नष्ट हो गया। यह दुकान राजेंद्र प्रसाद के बेटे अरविंद कुमार की है। अरविंद कुमार मूल रूप से दूधुरा गांव के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि आग लगने के समय दुकान में कुल 25 लाख रुपये का माल मौजूद था।दुकान के शटर से धुआं निकलता देख आसपास के व्यापारियों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। आग बुझने तक दुकान में रखे कपड़े बिल नकदी और अन्य सामान पूरी तरह जलकर राख हो चुके थे। एफएसओ फायर सर्विस ऑफिसरद्ध नागेंद्र नाथ द्विवेदी ने बताया कि आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है, जिसकी पुष्टि विस्तृत जांच के बाद ही हो पाएगी। दुकान मालिक अरविंद कुमार ने बताया कि शादी. विवाह के सीजन के कारण दुकान पूरी तरह भरी हुई थी, जिससे नुकसान काफी बढ़ गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना का मुआयना किया और दुकान मालिक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। आग लगने के सही कारणों का पता लगाने के लिए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है।

डॉक्टर हेमंत सावरा ने वेस्टर्न रेलवे जीएम से की मुलाकात

वसई रोड। डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने वेस्टर्न रेलवे के जनरल मैनेजर रामाश्रय पांडे से मुलाकात कर पालघर जिले के रेल यात्रियों की लंबित मांगों और समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इस बैठक में कैलाश वर्मा और संकेत ठाकुर भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सुबह 4 बजे से दहानू लोकल सेवा शुरू करने पर सहमति बनी। वेस्टर्न रेलवे ने विभिन्न मांगों पर सकारात्मक रुख दिखाया।

पालघर स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के स्टॉप की मांग

पालघर जिले को तेजी से विकसित हो रहे कमर्शियल और एजुकेशनल हब बताते हुए सांसद सावरा ने कई एक्सप्रेस और स्पेशल ट्रेनों को पालघर स्टेशन पर ठहराव देने की मांग की। इनमें हिसार-खड़की एक्सप्रेस (22979/22980), बांद्रा-अजमेर एक्सप्रेस (19625/19626), मुंबई-काठगोदाम एक्सप्रेस (21907/21908), बांद्रा-जबलपुर एक्सप्रेस (20163/20164), बांद्रा-सूरत इंटरसिटी एक्सप्रेस (12935/12936), बांद्रा-गाजीपुर एक्सप्रेस (20941/20942), सूर्यनगरी एक्सप्रेस (12479/12480) सहित अन्य ट्रेनों के हॉल्ट की मांग शामिल रही।

रोड और बोइसर स्टेशनों पर अतिरिक्त ट्रेनों के ठहराव की आवश्यकता बताई गई। दहानू रोड स्टेशन पर पुणे-भुज एक्सप्रेस (11901/11902) और खानदेश एक्सप्रेस (19003/19004) के स्टॉप की मांग की गई। वहीं बोइसर स्टेशन पर कोयंबटूर-राजकोट एक्सप्रेस (16613/16614) और बांद्रा-रामनगर एक्सप्रेस (22975/22976) के ठहराव का प्रस्ताव रखा गया।

कोलगांव में फुट ओवरब्रिज बनाने की मांग

कोलगांव स्थित जेनेसिस इंडस्ट्रियल टाउनशिप के पास रेलवे गेट नंबर 48 बंद होने के कारण रोजाना हजारों मजदूर और स्थानीय नागरिक जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक पार कर रहे हैं। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए सांसद सावरा ने वहां तत्काल फुट ओवरब्रिज (ऋद्धइ) निर्माण की मांग की, ताकि मजदूरों और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

संकट मोचन मंदिर में विशाल भंडारा एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ज्येष्ठ माह के पवित्र चतुर्थ मंगलवार के अवसर पर संकट मोचन मंदिर, बीआरपी कॉलेज परिसर में आयोजित विशाल भंडारा एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रामभक्त एवं क्षेत्रीय श्रद्धालु शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।भंडारे के दौरान भगवान श्री हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई तथा भक्तों ने हनुमान चालीसा एवं भजन-कीर्तन में सहभागिता की। आयोजन स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था, जो देर शाम तक जारी रहा। पूरे परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा।आयोजक राकेश तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार डॉ.मधुकर तिवारी, अनुराग तिवारी एवं समस्त तिवारी परिवार ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए प्रसाद वितरण की व्यवस्था संभाली। कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और भगवान बजरंगबली से सुख, समृद्धि एवं मंगल की कामना की।आयोजकों ने भंडारे को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी भक्तों, सहयोगियों एवं क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में जौनपुर के प्रख्यात समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह भी शामिल हुए। कार्यक्रम का समापन आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ सम्पन्न हुआ।

व्यापारिक आंदोलन में शहीद हुए व्यापारियों को श्रद्धांजलि दिया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर उद्योग व्यापार मंडल ने व्यापारिक आंदोलन में शहीद हुए व्यापारियों को गल्ला मंडी स्थित जिला कैंप कार्यालय पर एक कार्यक्रम आयोजित करते हुए शहीद दिवस मना कर श्रद्धांजलि दिया, जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा के आह्वान पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की स्थापना से लेकर आज तक विभिन्न व्यापारिक आंदोलनो में गोली, लाठी खाने के दौरान शहीद हुए व्यापारियों के स्मृति में 26 मई शहीद दिवस के रूप में मनाता है साथ में वरिष्ठ व्यापारियों का सम्मान भी किया जाता है वरिष्ठ व्यापारी जिला संरक्षक राजदेव यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता किया और शहीद हुए व्यापारियों को व्यापार जगत का सर्वोच्च बलिदान बताया और उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किया,नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने बताया कि व्यापारियों की लड़ाई लड़ते-लड़ते कुल 14 व्यापारी आज तक शहीद हुए हैं जिन्हें 26 मई को प्रदेश के प्रत्येक जिले में याद किया जाता है जिसमें जौनपुर जनपद से मुक्तीगंज निवासी स्व.अशोक राय जी 14 सितंबर 1993 को व्यापारियों की लड़ाई लड़ते हुए शहीद हुए थे, प्रदेश मंत्री महेन्द्र सोनकर तथा प्रदेश युवा कोषाध्यक्ष संतोष अग्रहरि ने संयुक्त रूप से कहा कि व्यापारी हितों की रक्षा के लिए अपने प्राण निछावर करने वाले साथियों की याद में व्यापार मंडल श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करता है और उन सभी वीर सपूतों को याद किया जाता है जिन्होंने व्यापारियों की लड़ाई लड़ते-लड़ते अपने प्राण दे दिए, कार्यक्रम में जिला महामंत्री रामकुमार साहू नगर महामंत्री मुन्नालाल अग्रहरि एवं मनोज कुमार साहू, संजय केडिया,अमर जौहरी,मधुसूदन बैंकर, अनिल कुमार वर्मा,विजय गुप्ता,संतोष कुमार साहू, गुलजारीलाल गुप्ता, ज्ञानेंद्र साहू, सुनील जायसवाल,डी.के. अग्रवाल,राकेश जायसवाल, मंगला प्रसाद साहू,शाहिद मंसूरी,दाऊ जी,चंदन सेठ आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन नगर उपाध्यक्ष हफिज शाह ने किया,उपस्थित व्यापारियों का आभार नगर महामंत्री मुन्ना लाल अग्रहरि ने व्यक्त किया।

फसलों व सब्जियों और बागवानी को हीटवेव से बचाने के लिए खेतों में बनाए रखें पर्याप्त नमी : डॉ. सीमा सिंह राणा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि जनपद सहित पूरे प्रदेश में चल रही भीषण लू एवं बढ़ते तापमान का प्रतिकूल असर मानव व पशु-पक्षियों के साथ-साथ बागवानी फसलों एवं सब्जियों की खेती पर भी पड़ रहा है। इस भीषण गर्मी और लू से फसलों को होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने तथा किसानों को राहत पहुँचाने के लिए जिला उद्यान अधिकारी डॉ. सीमा सिंह राणा ने अत्यंत महत्वपूर्ण और व्यावहारिक सलाह साझा की है। प्रमुख तकनीकी दिशा-निर्देश व बचाव के उपाय - शाम के समय हल्की सिंचाई- जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि किसान भाई अपने खेतों और बागों में पर्याप्त नमी बनाए रखें। विशेष रूप से सूर्यास्त के समय (शाम को) ही हल्की सिंचाई अवश्य करें। इससे कड़ी धूप एवं लू से पौधों का स्वास्थ्य खराब नहीं होगा। पश्चिमी हवाओं से बचाव (विंड ब्रेक) गर्म व शुष्क पश्चिमी हवाओं से फसलों की सुरक्षा के लिए सब्जी उत्पादक किसानों को खेत की पश्चिम दिशा में सरकंडे की बाड़, ग्रीन नेट अथवा घरों में उपयोग हो चुकी पुरानी साड़ियों का एक अवरोध (बाड़) जरूर बनाना चाहिए। इससे फसलों को होने वाला नुकसान काफी हद तक कम हो जाता है। मेड़ों पर वृक्षारोपण- यदि किसान भाई खेतों की मेड़ों पर छोटे फलदार, शोभाकार या इमारती वृक्ष लगाएं, तो इससे गर्म हवाओं से सीधी सुरक्षा मिलने के साथ-साथ पर्यावरण की भी दीर्घकालिक सुरक्षा हो सकेगी। टपक (ड्रिप) एवं स्प्रिंकलर सिंचाई पर 80 से 90 प्रतिशत तक का भारी अनुदान - जिला उद्यान अधिकारी डॉ. सीमा सिंह राणा ने जानकारी दी कि जिलाधिकारी महोदय के निदेर्शानुसार जनपद में जल संचयन और फसलों की सुरक्षा हेतु व्यापक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। उद्यान विभाग द्वारा टपक सिंचाई एवं स्प्रिंकलर- सिंचाई की स्थापना पर 80 से 90 प्रतिशत तक का भारी अनुदान दिया जा रहा है। किसान भाई इस तकनीक को अपनाकर बागों, सब्जियों के साथ-साथ कृषि व दलहनी फसलों में भी किसी भी समय बेहद कम पानी में आसानी से सिंचाई कर सकते हैं।

इससे जहाँ पानी और समय की भारी बचत होती है, वहीं किसानों को चिलचिलाती धूप में पारंपरिक नाली विधि से सिंचाई करने के शारीरिक कष्ट से भी मुक्ति मिलती है। सरल प्रक्रिया - विभाग द्वारा किसानों की मांग के अनुसार यह सिस्टम अत्यंत सरल प्रक्रिया के तहत स्थापित कराया जा रहा है। किसान भाई डीबीटी पोर्टल पर पंजीकरण एवं एग्रीमेंट करा सकते हैं, जिसके पश्चात अधिकृत कंपनियों द्वारा खेतों पर सिस्टम स्थापित किया जाएगा। थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन के बाद अनुदान की राशि सीधे कंपनी को भेज दी जाती है। शहरी क्षेत्रों के लिए अपीलः रूफटॉप गार्डनिंग अपनाएं - डॉ. राणा ने शहरी क्षेत्र के निवासियों से भी अपील करते हुए कहा कि वे अपने घरों की छतों पर रूफटॉप गार्डनिंग को बढ़ावा दें। छतों पर गमलों में शोभाकार पौधे, हरी मिर्च व टमाटर के पौधे लगाएं, जिससे छत पर सीधी धूप नहीं आएगी। छत पर प्लास्टिक की मोटी शीट बिछाकर क्यारी बनाकर धनिया, टमाटर, मिर्च, मूली सहित पत्तेदार सब्जियाँ आसानी से उगाई जा सकती हैं। इससे परिवारों को शुद्ध, रसायनमुक्त ताजी सब्जियाँ मिलेंगी और घर के अंदर छत से आने वाली गर्मी से भी बड़ी निजात मिलेगी। विशेष अपील - आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए जिला उद्यान अधिकारी ने सभी जनपदवासियों व कृषकों से अपील की है कि वे वषार्काल में अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें, जिसके लिए उद्यान विभाग द्वारा नियमानुसार निःशुल्क पौधे भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

पेट्रोल-डीजल के स्टॉक की होगी नियमित निगरानी, मंडलायुक्त ने दिया निर्देश

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है। मंडलायुक्त एस राजलिंगम ने आपूर्ति विभाग को पत्र भेजकर स्टॉक की नियमित निगरानी करने और खपत की जानकारी लेने के निर्देश दिए हैं। मंडलायुक्त ने कहा है कि तेल और गैस की कहीं कमी नहीं होनी चाहिए। दरअसल, ग्रामीण क्षेत्रों में रात के वक्त पेट्रोल पंप बंद होने की शिकायतें मिल रही हैं। इस पर कमिश्नर ने सख्त निर्देश दिए हैं। कहा कि जहां भी पेट्रोलियम और गैस की किल्लत की जानकारी हो तत्काल वहां उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए। दरअसल, वर्तमान वैश्विक परिदृश्य के चलते तमाम तरह की अफवाहें फैल रही हैं। इसकी वजह से लोग अधिक से अधिक तेल भरवाकर स्टॉक करवा लेना चाहते हैं। इससे कई पेट्रोल पंपों पर तेल की कमी हो जा रही है।

उतरशक्ति खबरों का दिखा असर : जिला अस्पताल में शुरू हुआ खराब केबिल बदलने का काम

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला अस्पताल में खराब बिजली केबिल, जनरेटर में आग लगने और डायलिसिस सेवा प्रभावित होने की खबर सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गया है। अस्पताल प्रशासन ने खराब केबिल बदलने का कार्य शुरू करा दिया है। बताया जा रहा है कि 18 मई से अस्पताल की बिजली व्यवस्था प्रभावित थी, जिसके चलते डायलिसिस सेवा जनरेटर के सहारे संचालित की जा रही थी। इसी दौरान जनरेटर में आग लगने से अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई थी। जिला अस्पताल में प्रतिदिन करीब 40 मरीजों का डायलिसिस होता है। बिजली संकट के कारण मरीजों और उनके परिजनों में लगातार चिंता बनी हुई थी। मामले को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद अस्पताल प्रशासन ने तकनीकी टीम लगाकर नई केबिल डालने का काम शुरू कराया। अधिकारियों ने दावा किया है कि जल्द ही बिजली व्यवस्था पूरी तरह बहाल कर डायलिसिस सेवा सुचारु कर दी जाएगी।

भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति व संपादक ओमप्रकाश प्रजापति की औपचारिक मुलाकात

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के जौनपुर जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति ने अपने सहयोगी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के साथ विकासखंड करंजाकला के ग्राम सभा पाल्हामऊं खुर्द स्थित उत्तरशक्ति कार्यालय पहुंचकर संपादक ओमप्रकाश प्रजापति से औपचारिक मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच सामाजिक, राजनीतिक एवं क्षेत्रीय विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान भाजपा संगठन की आगामी रणनीतियों, जनसमस्याओं के समाधान तथा समाज में सकारात्मक वातावरण निर्माण को लेकर विचार-विमर्श किया गया। जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता समाज के हर वर्ग के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुनने और समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं। वहीं संपादक ओमप्रकाश प्रजापति ने पत्रकारिता की निष्पक्ष भूमिका एवं समाज हित में मीडिया की जिम्मेदारियों पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने क्षेत्र के विकास, शिक्षा, सड़क, रोजगार तथा सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की। कार्यक्रम का माहौल सौहार्दपूर्ण एवं आत्मीय रहा।